वैशाख कृष्ण पक्ष दसमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 295 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
23 अप्रैल 2025 बुधवार

आज का मौसम
40 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

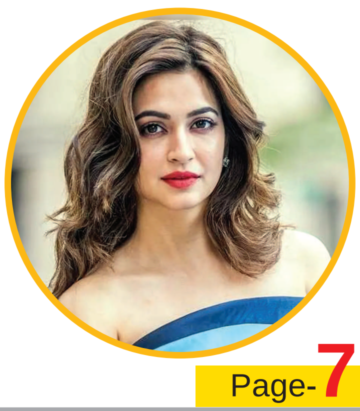

Page-7

इंटेलिजेंस ने कहा- लश्कर का सैफुल्लाह मास्टरमाइंड, मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख सहायता, हाईलेवल बैठकें

सघन सर्च ऑपरेशन : पीएम दौरा छोड़कर लौटे, शाह घाटी में, बड़े पलटवार की आहट

श्रीनगर/नई दिल्ली, एजेंसी

चौबीस घंटे में मंजर कितना बदल जाता है, इसका अहसास आज पहलगाम में हो रहा है। कल तक चहचहाते पंछियों की आवाज और सैलानियों की चहल-पहल से गुलजार रहने वाला पहलगाम खामोशी, तनाव, डर में डूबा है। कश्मीर के इस सबसे खूबसूरत टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर कल जो कुछ हुआ, उसने इस इलाके में सन्नाटा घोल दिया है। ऐसा लग रहा है वादियों की रौनक गायब हो गई है। पहलगाम में आतंकी हमले में 27 पर्यटकों की मौत के बाद जब से सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन शुरू किया, तब से बैसरन की वादियों में एक अलग ही मंजर रहा। हर तरफ अफरा-तफरी, बच्चों की चप्पलें, अधखुले टिफिन बॉक्स, बिखरे हुए पर्स और खून के धब्बेज। कुछ पर्यटकों के बैग अब भी पेड़ों के नीचे पड़े हैं। जिन टट्टुओं पर कल तक लोग सवारी करते थे, वो भी खौफ से भागते नजर आए, कुछ इनमें भी घायल हैं। वहीं पहलगाम बाजार, जो सुबह से शाम तक सैलानियों से गुलजार रहता था, अब वीरान है. होटल के रिसेप्शन खाली हैं, रेस्टोरेंट्स बंद हैं। कई दुकानदार तो दुकानें बंद कर घाटी से जा चुके हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब दौरा बीच में ही छोड़कर सुबह दिल्ली लौट आए, एयरपोर्ट पर ही एनएसए अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश सचिव ने पहलगाम अटैक को लेकर उनको ब्रीफिंग दी। वहीं कल शाम से गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर में ग्राउंड जीरो पर हालातों का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने बीती रात एक बजे तक जम्मू-कश्मीर में अधिकारियों के साथ लगातार मीटिंग की। वे पहलगाम में घटना स्थल पर भी पहुंचे, इससे पहले वह अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात कर रहे हैं। वह मृतकों को श्रध्दांजलि देने पुलिस हेडक्वार्टर भी पहुंचे। गृह मंत्री के निर्देश के बाद सुरक्षाबलों की कई टीमों ने इलाके को घेरते हुए रात से ही बड़ा ऑपरेशन शुरू कर दिया है। उधर बैसरन तक पहुंचने वाला मुख्य रास्ता अब सेना और पुलिस की निगरानी में है. यहां हर 500 मीटर पर सुरक्षाबलों की तैनाती कर दी गई है. आमतौर पर इस रास्ते पर टट्टुओं की टापें, बच्चों की हंसी और सेल्फी लेते युवाओं की चहक सुनाई देती थी, लेकिन अब सिर्फ बूटों की आवाजें और हेलीकॉप्टर की गूंज है।

देशभर में आक्रोश: इस घटना से देशभर में आक्रोश है। सेलेब्स भी स्तब्ध हैं। अमिताभ बच्चन, अजय देवगन से लेकर कमल हासन समेत बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने भी इस पर नाराजगी जाहिर की है। संजय दत्त ने तो पीएम मोदी को टैग कर लिखा कि अब हम चुप नहीं रहेंगे और न ही इसे माफ किया जाएगा। हमें जवाब देना होगा। मैं विनती करता हूं कि उन्हें वो दें, जो वो डिजर्व करते हैं। अजय देवगन ने लिखा, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं। जो हुआ वह बेहद दिल दहला देने वाला है। आतंकी हमले की खबर आने के बाद अमिताभ बच्चन ने देर रात अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से सिर्फ ट्वीट का नंबर डाला और कुछ भी नहीं लिखा।

गृहमंत्री शाह जब पीड़ितों के बीच पहुंचे तो सभी उनके सामने बिलख उठे। शाह समेत सभी इस मौके पर बहुत भावुक नजर आए।

राहुल की शाह से बात, पाक ने पल्ला झाड़ा

इधर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कश्मीर में मौजूद गृहमंत्री अमित शाह से फोन पर बात की और पीडितों को इंसाफ दिलाने का आग्रह किया। वहीं इस आतंकी हमले के बाद आज पाकिस्तान की पहली प्रतिक्रिया सामने आई. पाकिस्तान ने घटना से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि उसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले से पाकिस्तान का कोई लिंक नहीं है। हम हर प्रारूप में आतंकवाद की निंदा करते हैं। भारत के खिलाफ उनकी तथाकथित रियासतों में बगावतें हुई हैं, एक नहीं दर्जनों के हिसाब से। नगालैंड से लेकर कश्मीर तक और छत्तीसगढ़ से मणिपुर सभी जगहों पर दिल्ली की हुकूमत के खिलाफ बगावतें हुई हैं. ये घटना स्थानीय तौर पर हुई है।

पहलगाम में परिंदे भी दुबके, अब हर तरफ सैनिकों के बूट और हेलीकॉप्टर का शोर

एनआईए समेत सीआरपीएफ, एसओजी ने इलाका घेरा

एनआईए की टीमें आज श्रीनगर पहुंच गई हैं। फॉरेंसिक की टीमें भी मौके पर हैं. आर्मी, सीआरपीएफ, एसओजी, जम्मू पुलिस ने पूरे इलाके को घेर रखा है। हेलीकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल कर आतंकियों की तलाश की जा रही है। सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस मुगल रोड पर तैनात हो गई है। वहीं, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के शवों को पहलगाम हॉस्पिटल से श्रीनगर भेजा गया है।

आतंकी घुसपैठ की कोशिश

इधर बारामूला में एलओसी के पास घुसपैठ की बड़ी कोशिश को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया है और एनकाउंटर में दो आतंकवादियों को मार गिराया है। आतंकियों के पास से दो राइफल और एक आईईडी बरामद किया है। आर्मी के चिनार कॉप्स ने बताया कि सुबह 2-3 यूआई आतंकवादी उरी नाला, बारामूला के सामान्य क्षेत्र से घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। तभी नियंत्रण रेखा पर सतर्क टीपीएस ने उन्हें रोका, इसके बाद आतंकियों ने सुरक्षाबल की टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी. सुरक्षाबल की टीम ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन शुरू किया और एनकाउंटर में दो आतंकवादियों को मार गिराया। उधर पहलगाम में हुए आतंकी हमले के एक हमलावर की पहली तस्वीर सामने आई है। तस्वीर घटनास्थल की है, जिसमें वह हाथ में बंदूक थामे है. हालांकि, आतंकी का चेहरा नजर नहीं आ रहा है।

दो विदेशी व दो स्थानीय आतंकी शामिल

खबर हैं कि इंटेलिजेंस सूत्रों ने पहलगाम अटैक में दो फॉरेन टेररिस्ट और दो लोकल आतंकी शामिल होने की बात कही है। हमले का मास्टर माइंड सैफुल्लाह खालिद है वह पाक अधिकृत कश्मीर से ऑपरेट करता है। इसकी लोकेशन रावलकोट बताई गई है। सैफुल्लाह ने एक महीने पहले हमले की चेतावनी भी दी थी। एक वीडियो भी वायरल हुआ था इसमें सैफुल्लाह ने कहा था कि कश्मीर का मसला ठंडा नहीं होने देना है।

सीएम ने कहा-जवाब मिलेगा, भोपाल में पुतला दहन

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में पर्यटकों की मौत होने के बाद आज भोपाल में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के नेतृत्व में इस घटना के विरोध में आतंकवाद का पुतला दहन किया जा रहा है। पक्ष विपक्ष के नेता इस घटना की निंदा कर रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखा- जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर कायराना आतंकी हमला घोर निंदनीय है। इस कायराना और अमानवीय कृत्य में कई निर्दोष लोगों की जान गई है। मैं सभी दिवंगतों की पुण्यात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि इस कुकृत्य का मुंहतोड़ जवाब आतंकियों को अवश्य मिलेगा।

पंचक्रोशी यात्रा शुरू, क्राउड मैनेजमेंट के नए इंतजाम

उज्जैन। वैशाख मास की दशमी से अमावस्या तक चलने वाली पंचक्रोशी यात्रा आज से शुरू हो गई% यात्रा 27 अप्रैल तक चलेगी। कहा जा रहा है कि इस बार पंचक्रोशी यात्रा के लिए जिला प्रशासन ने सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग की है। क्राउड मैनेजमेंट के लिए पहली बार यात्रा रूट पर पांच जगह हेड काउंटिंग कैमरे लगाए गए हैं। पहली बार यात्रा में ऑटोमैटिक मैसेजिंग सिस्टम लगाया गया है। इसके जरिए एक ही जगह से सभी पड़ावों पर एक साथ मैसेज भेजे जा सकेंगे। उधर उज्जैन में श्रद्धालुओं ने परंपरागत रूप से एक दिन पहले 22 अप्रैल से ही यात्रा शुरू कर दी। ब?ी संख्या में श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन करने के बाद यात्रा के पहले पड़ाव पिंगलेश्वर महादेव के लिए निकल पड़े।

गर्मी का गजब: अब 7 दिन तक राहत के बादल नहीं

सड़कों पर टेंट, मंदिरों में मेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में इस बार अप्रैल के आखिरी दिनों में भीषण गर्मी का अलर्ट आ गया है। यानि महीने के बचे हुए सात दिन पारा बेकाबू रहेगा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत कई शहरों में पारा 43 डिग्री के पार पहुंचने का अनुमान है। मौसम साफ होने की वजह से गर्मी पूरी तीव्रता पर रहेगी। खजुराहो, नौगांव, पन्ना, सीधी में तापमान 45 डिग्री या इससे अधिक रह सकता है। वहीं, लू भी चलेगी। इधर अभी आलम यह है कि तेज गर्मी की वजह से इंदौर के कई चौराहों पर टेंट लगा दिए गए हैं। ताकि, राहगीरों को राहत मिल सके। वहीं, उज्जैन स्थित श्रीमहाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं के पैरों को जलने से बचाने के लिए मेटिंग बिछाई गई है। इधर, आज बुधवार को प्रदेश के 6 जिलों में लू का अलर्ट है। इनमें निवाड़ी, टीकमगढ़, पन्ना, सतना, सीधी और सिंगरौली जिले शामिल हैं। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत अन्य शहरों में भी तेज गर्मी रहेगी। कल भी जुराहो में पारा 44.4 पर जबकि रतलाम में 44 डिग्री दर्ज किया गया। सीधी में 43.4 डिग्री, मंडला में 43 डिग्री और नौगांव में 43 डिग्री रहा। प्रदेश के 5 बड़े शहरों में भी पारा 2 डिग्री तक बढ़ गया। भोपाल में 41.2 डिग्री, इंदौरमें 40.9 डिग्री, ग्वालियर में 41.5 डिग्री और उज्जैन में 41.5 डिग्री दर्ज किया गया।

पचमढ़ी में पारा नीचे, मगर गर्म: प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में हालांकि पारा 40 डिग्री के नीचे है लेकिन यहां भी दिन में तेज गर्मी महसूस की जा रही है। नर्मदापुरम, दमोह-मलाजखंड में यही पारा 42 के पार जा रहा है।

आईएमएफ से झटका: टैरिफ टेंशन के बीच घटाया भारत का ग्रोथ अनुमान

आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने का सुझाव भी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका द्वारा शुरू किये गये टैरिफ वॉर के चलते ग्लोबल टेंशन के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से भारत को झटका लगा है। आईएमएफ ने अपनी नई वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में लगातार बढ़ रहे व्यापार तनाव और अनिश्चितताओं का हवाला दिया है और वित्त वर्ष 26 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.2 फीसदी कर दिया। आईएमएफ रिपोर्ट में जोर देकर कहा गया है कि व्यापार तनाव बढ़ने के कारण नीतिगत अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई है और इससे वैश्विक ग्रोथ आउटलुक के बारे में कुछ भी अनुमान लगाना ज्यादा कठिन है। ऐसे में 2025-26 के लिए भारत का ग्रोथ अनुमान को घटाकर 6.2 फीसदी किया जा रहा है. वैश्विक निकाय ने जनवरी 2025 में जताए गए व 30 बेसिस पॉइंट की कटौती की है। आईएमएफ ने कहा है कि भविष्य में भारत की स्थिति अपेक्षाकृत अनुकूल होने के कारण 2025-50 के दौरान वृद्धि में महज 0.7 फीसदी की मामूली गिरावट दिख सकती है। ज्ञात हो कि देश की आर्थिक समीक्षा में वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3 से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। सांख्यिकी मंत्रालय ने जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। एक्सपर्ट्स ने सुझाव दिया है कि भारत को संभावित बाहरी झटकों को कम करने के लिए अपने घरेलू आर्थिक लचीलेपन को बढ़ाने पर फोकस करना होगा इंटरनल मार्केट मैकेनिज्म को मजबूती देकर और अपने व्यापार संबंधों में विविधता लाकर, भारत गोल्बल अनिश्चितताओं के खिलाफ खुद को बेहतर स्थिति में रख सकता है।

गेल प्लांट में गैस रिसाव से मंडीदीप में मचा हड़कंप

भोपाल। मंडीदीप में बीती रात गेल प्लांट में गैस लीक होने से हडकंप रहा। लीक की सूचना मिलते ही फायर सेफ्टी टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आज सुबह करीब 10 बजे रिसाव को रोका जा सका। इस दौरान प्लांट के अंदर अफरा-तफरी मची रही। एहतियातन एनडीआरएफ और एसडीईआर की टीमें भी मौके पर पहुंची। प्लांट के एक किलोमीटर के दायरे में बैरिकेड्स लगाकर आवाजाही पर रोक लगा दी गई।

बाजार तीन दिनों से गुलजार आज भी 600 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में एक बार फिर जोरदार तेजी देखने को मिली है। आाज सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स ने खुलने के साथ ही 600 अंकों की छलांग लगा दी और 80,000 के आंकड़े के पार निकल गया, तो निफ्टी भी 24,300 का स्तर पार कर गया। इस बीच लार्ज कैप कंपनियों में शामिल टाटा मोटर्स से लेकर टेक दिग्गज इंफोसिस तक के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिली। आज पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों के बीच शेयर बाजार में कारोबार की शुरुआत के दौरान करीब 1694 कंपनियों के शेयरों ने तेजी के साथ ग्रीन जोन में ट्रेड शुरू किया। इसके अलावा 459 कंपनियों के शेयर ऐसे थे, जिनकी शुरुआत गिरावट के साथ लाल निशान पर हुई।

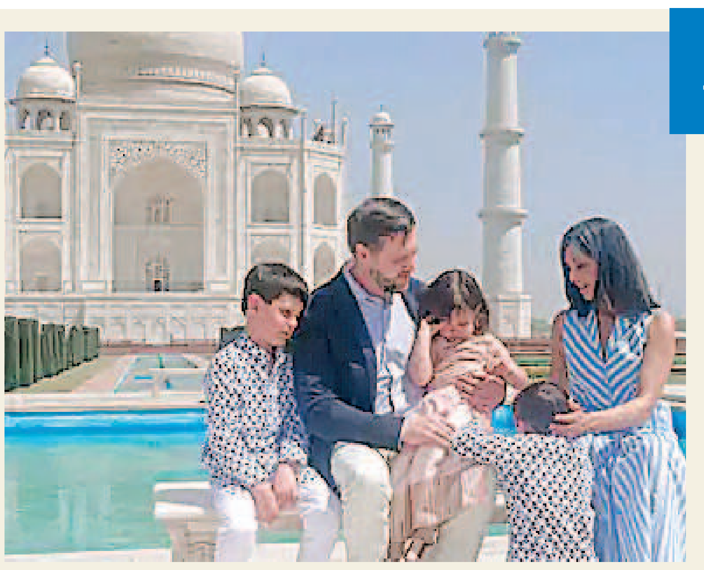

ताज का दीदार करने पहुंचे वेंस

आगरा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस ने आगरा में ताजमहल का दीदार किया। पत्नी ऊषा, बेटों विवेक, इवान और बेटी मीराबेल के साथ डायना बेंच पर फोटो खिंचवाईं। उन्होंने ताजमहल के विजिटर बुक में लिखा- ताजमहल अद्भुत है! सच्चे प्यार, मानवीय सरलता और भारत की महान संस्कृति के प्रति श्रद्धांजलि का प्रमाण...धन्यवाद।

पाकिस्तान में भी सोने के भाव सुर्ख, 3 लाख पार

नईदिल्ली, एजेंसी

सोने की कीमतों ने भारत में तो इतिहास रच दिया है और 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का स्तर पार कर लिया है। वहीं सोने ने भारत में ही रिकॉर्ड नहीं तोड़े, बल्कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी ये नई बुलंदियों को छूता जा रहा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश में गोल्ड रेट 3 लाख रुपये के पार पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ऑल पाकिस्तान सर्राफा जेम्स एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने बताया कि टैरिफ टेंशन से छिड़े ट्रेड वॉर के बीच सोना लगातार रिकॉर्ड तोड़ता जा रहा है। कल पाकिस्तान में सोने की कीमतें लाइफ टाइम हाई पर रहीं और 24 कैरेट गोल्ड प्रति तोला 379,150 रुपये बिका।

ये प्यास है बड़ी....

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर में गर्मी अपने तेवर दिखा रही है ऐसे में इससे गन्ने का रस और नारियल पानी कुछ हद तक राहत दे रहा है।

आपात स्थितियों के लिए रेल्वे की पहल

अब लोको पायलट तक पहुंच सकेगा परिजनों का जरूरी संदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल्वे ने अब लोको पायलट को नयी राहत दी है। ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन इस्तेमाल नहीं कर सकने वाले लोको पायलट से अक्सर उनके स्वजन आपातकाल में भी उनसे संपर्क नहीं कर पाते हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए रेलवे ने व्यवस्था की है कि रनिंग स्टाफ के परिजन इमरजेंसी स्थिति में विशेष फोन सुविधा के जरिए अपना संदेश कंट्रोल रूम को बताएंगे। कंट्रोल रूम वॉकी टॉकी के माध्यम से यह सूचना संबंधित कर्मचारी तक पहुंचाएगा। खबरों के मुताबिक इसके लिये रेलवे अब प्रत्येक जोन और मंडल स्तर पर एक विशेष इमरजेंसी नंबर शुरू कर रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे में सबसे पहले भोपाल मंडल ने इस सुविधा को लागू किया है। भोपाल मंडल में इसका हेल्पलाइन नंबर 07552470031 है, जो सभी रनिंग स्टाफ और उनके परिवारों को उपलब्ध कराया गया है। बताया गया है कि कोई जरूरी बात बताने के लिए इस नंबर पर बात कर संदेश छोड़ा जा सकता है। रेलवे ने इस प्रक्रिया को इस प्रकार डिजाइन किया है कि संदेश सुरक्षित और समय पर संबंधित लोको पायलट तक पहुंचे इसके लिए रनिंग स्टाफ की ड्यूटी और वर्तमान लोकेशन से जुड़े डेटा का भी उपयोग किया जाएगा, जिससे सही व्यक्ति तक संपर्क साधना आसान हो सके।

निरंकारी रक्तदान शिविर 24 अप्रैल को - मानव एकता दिवस पर होता है आयोजन

हिरदाराम नगर. संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन द्वारा 24 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर डी मार्ट के निकट, जहांगीराबाद स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन, भोपाल में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित होगा। निरंकारी मिशन द्वारा हर साल 24 अप्रैल को मानव एकता दिवस पर रक्त दान शिविर लगाया जाता है। शिविर के जोनल इंचार्ज एवं ब्रांच संयोजक अशोक जुनेजा सभी से इस मानवतावादी और परोपकारी सेवा में हिस्सा लेने की अपील की है। जुनेजा ने कहा कि आपके द्वारा दान किया गया रक्त का एक यूनिट किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है, और जो व्यक्ति रक्तदान करता है, उसकी आने वाली पीढ़ियां निश्चित रूप से सुखों की भागी बनती हैं।

कई बार निगम से लेकर नगरीय प्रशासन तक लिखे पत्र, पर समस्या जस की तस

न्यू मार्केट में कब्जों और अवैध पार्किंग से हो रही भारी परेशानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

न्यू मार्केट इलाके में व्यापारी बीते कई साल से अवस्थाओं से परेशान हो रहे हैं। कहने के लिए राजधानी के बड़े बाजारों में से एक न्यू मार्केट बाहर से व्यवस्थित और सही दिखता है। लेकिन यहां पर अंदरूनी व्यवस्थाएं इतनी चौपट है कि आम दिनों में आने वाले 10 हजार से अधिक ग्राहक और करीब 1100 से अधिक व्यापारी अतिक्रमण और पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से परेशान हो रहे हैं। यहां पर नो-व्हीकल और नो-हॉकर्स जोन का पालन नहीं हो रहा है। इसके लिए नगर निगम के आयुक्त से लेकर नगरीय प्रशासन मंत्री तक दर्जनों बार पत्र लिखकर इन व्यवस्थाओ को सुधारने की मांग की है। इसके बाद भी इस मामले में कोई काम नहीं किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार न्यू मार्केट बाजार करीब 50 साल पुराना बाजार है। शुरुआत में यहां करीब 80 से 100 गुमटियां रखी जाती थी। तत्कालीन अफसर एमएन बुच के निर्देश पर यहां पर कुछ पक्की दुकानें बनाई गई, जिसके बाद यह मार्केट धीरे-धीरे तैयार हुआ और आज भोपाल का सबसे बड़ा और व्यवस्थित मार्केट बनकर संचालित हो रहा है। वर्तमान में यहां पर करीब 1100 दुकानें हैं, जिसमें आम दिनों में 10 हजार ग्राहक रोजाना आते हैं। शादी-विवाह के सीजन और त्योहारों के आसपास यह संया 40 से 50 हजार तक पहुंच जाती है। न्यू मार्केट के चारों तरफ सुलभ शौचालय बने हुए हैं। एक मात्र शौचालय को

छोड़कर बाकी शौचालय की हालात खराब है। निगम इसे तत्काल इन्हें सही कराया जाए।

सुरक्षा व सूचना के लिए इंतजाम

बताया जाता है कि कुछ महीने पहले नई बिल्डिंग में न्यू मार्केट व्यापारी महासंघ का कार्यालय बनाया गया है, जो दोपहर 2 बजे से शाम 8 बजे तक रोजाना खुला रहता है। यहां पर कोई भी व्यापारी कभी भी आकर अपनी समस्याएं बता सकते हैं। मार्केट में खोने-पाने या अन्य समस्याओं को लेकर 10 स्पीकर सूचनाएं पहुंचाने के लिए पूरे मार्केट इलाके में लगाए गए हैं। 32 सीसीटीवी कैमरों से पूरे बाजार की निगरानी हो रही है। गर्मियों में 3 प्याऊ व्यापारी महासंघ के द्वारा चलाए जा रहे हैं। यहां के सभी व्यापारी चाहते हैं कि 5 फीट दायरे के बाद जो भी अतिक्रमण या अस्थायी कब्जे हैं, उन्हें तत्काल हटाया जाए। बाजार में पार्किंग को लेकर हमने निगम प्रशासन को कई बार लिखित में पत्र दिए हैं। चारों तरफ गुमठियां और ठेले लगे हुए हैं, जिससे परेशानी ज्यादा है। वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि न्यू मार्केट में लगातार कार्यवाही होती है। वे 3 से 5 फीट की अनुमति चाह रहे हैं, लेकिन इसका नियम नहीं है। हमें जब भी अतिक्रमण या अस्थाई निर्माण मिलते हैं, तो सामान जब्त करते हैं और उनसे जुर्माना भी वसूलते हैं।

बोरवन पार्क की सफाई, पॉलीथिन मुक्ति बनाने का संकल्प

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

माह भर चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान में मंगलवार को पंडित दीनदयाल बोरबन पार्क में सफाई और पॉलीथिन मुक्त अभियान आयोजित किया गया। पर्यावरण वानिकी वन मंडल के तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम में बोरवन क्लब के सक्रिय सदस्यों और वानिकी वन मंडल की समर्पित टीम ने पार्क स्थित तालाब क्षेत्र के आसपास जमा हुए कचरे और विशेष रूप से पॉलीथिन को साफ किया। यह उल्लेखनीय है कि वानिकी वन मंडल जन भागीदारी से जल संचयन की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इस पहल के अंतर्गत, मंडल ने नहरों, झीलों और तालाबों जैसे महत्वपूर्ण जलाशयों को पॉलीथिन से मुक्त करने का महत्वपूर्ण कार्य अपने हाथों में लिया है। इसके साथ ही, विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से नागरिकों को जल संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन के महत्व के बारे में भी शिक्षित किया जा रहा है। बोरवन क्लब के अध्यक्ष जगदीश आसवानी ने इस स्वच्छता अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आसवानी ने कहा कि सरकार अपने स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही है,

लेकिन यह हम सभी नागरिकों का भी परम कर्तव्य है कि हम पॉलीथिन का उपयोग न करें और इसके स्थान पर कपड़े के झोलों का प्रयोग करें, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में हम भी अपना सक्रिय योगदान दे सकें। उन्होंने पानी के सदुपयोग और आवश्यकतानुसार ही उसके उपयोग पर भी बल दिया। अभियान में जगदीश आसवानी, वनरक्षक डी पी तिवारी, शेट्टी चांदनानी, दिनेश सोनी, अशोक तनवानी, कमल शेवानी, अमर खियानी, सहित अनेक लोग शामिल हुए।

विश्व पृथ्वी दिवस: बच्चों ने बनाए पोस्टर व रंगोली

भोपाल। आंचलिक विज्ञान केंद्र ने क्षेत्रीय निदेशालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल के सहयोग से विद्यार्थियों और आम जनता के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करके मंगलवार को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, स्कूली विद्यार्थियों के लिए 'पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता' और 'रंगोली बनाओ प्रतियोगिता' आयोजित की गई। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कुल 229 विद्यार्थियों ने भाग लिया और रंगोली बनाओ प्रतियोगिता में कुल 26 टीमों ने भाग लिया। जिसमें विभिन्न जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में एक सेल्फी पॉइंट कॉर्नर और हस्ताक्षर अभियान (सिग्नेचर कैंपेन) भी आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों की सहभागिता और अधिक उत्साहजनक रही। इसके अलावा, क्षेत्रीय निदेशालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल द्वारा एक प्रदर्शन कॉर्नर लगाया गया। प्रतियोगिताओं के सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों में कुल 348 आगंतुकों ने भाग लिया, जिनमें छात्र, शिक्षक, गृहणियां एवं आम नागरिक शामिल थे।

मेट्रो एंकर

पृथ्वी दिवस बच्चों के बीच हुई गतिविधियां

नवयुवक सभा में पृथ्वी को संरक्षित करने का संकल्प

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

अनन्दराम टी. शाहानी कन्या विद्यालय परिसर में पृथ्वी दिवस मनाया गया। विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए भाषण और पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनका मुख्य विषय हमारी पृथ्वी हमारी ताकत था। साथ ही बच्चों ने आज से ही पृथ्वी को सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास करने की प्रतिज्ञा ली। विद्यालय में आयोजित गतिविधियों को अर्थडे डॉट ओआरजी में भी पंजीकृत किया गया है, जो इस वैश्विक पहल के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान, विद्यार्थियों ने पृथ्वी दिवस कब और क्यों मनाया जा रहा है और पृथ्वी को किस प्रकार सुरक्षित रखा जा सकता है जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जागरूकता और चिंता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर भाषण और पेंटिंग प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम

स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में गिरजा नामदेव, हर्षिता मालवीय, राधिका राजपूत और विश्वास चंद्राकर शामिल रहे। नवयुवक सभा की प्रबंध समिति के अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी, संरक्षक विष्णु गेहानी, सचिव सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष धरमप्रकाश मोटवानी, शिक्षा समिति सदस्य पुरषोत्तम टिलवानी व प्राचार्या ज्योति चौहान ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दोहराया।

वहीं, केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल और कला लक्ष्मणदास वेंसीमल गनवानी फ़ाउंडेशन स्कूल, में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। प्रार्थना सभा में पृथ्वी बचाओ नाटक और सुविचार प्रस्तुत किए गए। संस्था प्रमुख सिद्धभाऊ ने पृथ्वी के गुणों को अपनाने का संदेश दिया। प्राचार्या ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया। विद्यार्थियों ने पृथ्वी को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

समाजसेवी तोलानी व बेलानी का जन्मदिन पर किया सम्मान

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत के मुख्य सलाहकार व वरिष्ठ पत्रकार नरेश तोलानी तथा पंचायत के सलाहकार एवं सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष राजेश बेलानी का जन्म दिन मनाया गया। इस अवसर पर पंचायत के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर और फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया और जन्मदिन की बधाई दी। तोलानी और बेलानी को बधाई देने वालों में पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, महासचिव नंद दादलानी, उपाध्यक्ष भरत आसवानी, जगदीश आसवानी, भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष चंद्र प्रकाश ईसरानी, उप ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस घनश्याम लालवानी, पत्रकार हीरो लालवानी, बसंत चेलानी, नरेंद्र लालवानी, पंडित जय शर्मा, सुरेश वासवानी, फुंटी केसवानी और कन्हैया नागदेव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

सीएम ने कैबिनेट बैठक में किया बैन खोलने का ऐलान

दो साल बाद एक मई से खुलेगा तबादलों से बैन, 31 मई तक होंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो। कर्मचारियों को दो साल बाद 1 मई से तबादला कराने के अवसर मिलेंगे। 31 मई तक तबादले होंगे। इसके लिए अगली कैबिनेट बैठक में तबादला नीति लाई जाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक में मंत्रियों को यह जानकारी दी। आवेदन ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से लिए जाएंगे। इसका लाभ 7.50 लाख कर्मचारियों को होगा। इनमें से इच्छुक कर्मचारी तबादलों के लिए अर्जियां लगा सकेंगे।

ये हो सकता है तबादला नीति में

- **विभागीय मंत्री** : एक से दूसरे जिले में होने वाले तबादलों से जुड़े आवेदनों पर निर्णय लेंगे।
- **प्रभारी मंत्री**: जिले के अंदर एक से दूसरे स्थानों पर होने वाले तबादलों से जुड़े आवेदनों पर निर्णय लेंगे।
- **विभाग प्रमुख**: तय करेंगे कि किसी भी विभाग में कुल कर्मचारी के 10 लेकर 20 फीसद कर्मचारियों से अधिक का तबादला न हो। एक कर्मचारी को समायोजित करने के लिए अगले 2 या 10 कर्मचारियों को प्रभावित न करना पड़े। किसी भी विभाग में 50 फीसद से अधिक कर्मचारी दूसरे स्थान से न आए, यदि ऐसा हुआ तो काम प्रभावित हो सकता है।

सुनवाई के लिए मिलेंगे 15 दिन

तबादला नीति के आधार पर किए जाने वाले तबादलों से असंतुष्ट कर्मचारी व उनके परिवार के सदस्यों की आपत्तियों को सुनने के लिए 10 से 15 दिन का समय मिलेगा। यह सुनवाई कौन करेंगे, यह भी नीति में तय होगा

ये प्राथमिकताएं होंगी प्रमुख

- पति-पत्नी से जुड़े ऐसे मामले, जिनमें दोनों में से कोई एक किसी अन्य स्थान पर सेवाएं दे रहे हैं तो उन्हें एक ही स्थान पर सेवा देने के अवसर मिल सकें।
- पात्रता रखने वाले दिव्यांग कर्मचारियों को सामान्य पात्र कर्मचारियों की तुलना में पहली प्राथमिकता दी जाएगी।
- बीमार कर्मचारी व उसके परिवार के बीमार सदस्य की स्थिति को देखते हुए मानवीय आधार पर वरियता दी जाएगी।
- तबादला से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को लगभग 31 दिन में पूरी करनी होगी। इसमें आवेदन करने, उन आवेदनों का निराकरण करने की समय सीमा भी तय होगी।

अब अगली कैबिनेट बैठक में आएगी तबादला नीति

सरकार को जलसंकट की आहट, मंत्रियों को दी जिम्मेदारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

- अब सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए 11 जोड़े अनिवार्य
- 200 जोड़ों तक भी हो सकेंगे सामूहिक विवाह सम्मेलन
- टाइगर रिजर्व के बफर जोन को किया जाएगा विकसित

गर्मी रिकार्ड बना रही है, इस बीच प्रदेश में जल संकट की भी आहट सुनाई देने लगी है। सरकार को इसका अहसास हो चुका है। जिसके बाद सीएम ने मंत्रियों को कह दिया है कि वे प्रभार के जिलों पर ध्यान रखें। पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करें। यदि कहीं अतिरिक्त प्रयास की जरुरत है तो वे भी समय रहते किए जाएंगे।

पालतू मवेशी व इंसानों को मार रहे बाघ, तेंदुए: बाघ, तेंदुए ने 7 साल में 14 हजार पालतू मवेशियों का शिकार किया। 82 इंसानों की जान शिकार की घटनाओं को रोकने के लिए टाइगर रिजर्व के आसपास बफर जोन में तार-फेंसिंग कराने का निर्णय लिया है। पहले साल में इस पर 145 करोड़ रुपए खर्च होंगे। 5 वर्षों में ये काम पूरे होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि वन क्षेत्रों व टाइगर रिजर्वों में तेजी से बाघ, तेंदुए समेत दूसरे मांसाहारी वन्यजीवों की संख्या बढ़ रही है लेकिन शाकाहारी वन्यजीव उस अनुपात में नहीं बढ़ रहे है। इसके कारण वन क्षेत्रों से बाघ, तेंदुए जैसे मांसाहारी वन्यजीव बाहर निकलकर पालतू मवेशियों का शिकार रहे हैं। इसके अलावा विकास कार्यों, अतिक्रमण की घटनाओं के कारण गांवों में चरनोई की जमीन लगभग खत्म होती जा रही है, जिसके कारण चरवाहे मवेशियों को वन क्षेत्रों में लेकर जा रहे हैं। इन दो प्रमुख कारणों के चलते पालतू मवेशियों की जान जा रही है। इसके अलावा बाहर निकलने वाले बाघ, तेंदुए की चपेट में इंसान भी आ रहे हैं। यदि तार फेंसिंग पर्याप्त हो गई तो इन घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकेगा।

5 जोड़ों में नहीं होंगे सामूहिक विवाह, 11 जोड़े चाहिए: सामूहिक कन्या विवाह योजना में भी बदलाव किए हैं। अब उक्त् विवाह सम्मेलनों के लिए न्यूनतम 11 जोड़े होने चाहिए। अधिकतम 200 जोड़े तक विवाह आयोजन किए जा सकेंगे। पूर्व में 5 जोड़ों में भी सम्मेलन हो जाते थे, जबकि अधिकतम 100 जोड़ों का ही एक विवाह सम्मेलन में विवाह कराया जाता था। सरकार का मानना है कि विवाह सम्मेलनों पर खर्च आता है, इसलिए अलग-अलग आयोजनों की बजाए एक साथ आयोजन हो। ऐसा करने से समय की बचत भी होगी और खर्च भी बचेगा। अब तुलसी टॉवर के पास स्थित वन भवन का शत-प्रतिशत हिस्सा वन विभाग का होगा। अभी उक्त् भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल लोक परिसंपत्ति विभाग के पास है, जिसने ई-आवंटन के जरिए अन्य संस्थाओं को दे दिए हैं। बदले में वन विभाग को 56.67 करोड़ रुपए मिले थे, जो कि वन विभाग को लौटाने होंगे। कैबिनेट ने इसके मंजूरी दे दी है। वन विभाग का दावा है कि वन भवन के जो तल उसके पास है, वे विभागों की मांग के अनुरूप कम है इसलिए कार्यालयों के संचालन के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जिला स्तर तक होंगे आयोजन

संविधान बचाओ रैली का विस्तार होगा, ग्वालियर से शुरुआत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस ने तय किया है कि अब महू की तर्ज पर अब आगामी 28 अप्रैल को ग्वालियर में एक बड़ी रैली की जाए और इसमें मप्र कांग्रेस के सभी नेताओं के अलावा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी को बुलाया जाए। यह निर्णय भोपाल में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में लिया गया। इसमें तय हुआ कि ग्वालियर की प्रदेश स्तरीय रैली के बाद जिला और ब्लॉक स्तर पर संविधान बचाओ रैलियां की जाएंगी।

इस बैठक में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा- सबको साथ मिलकर कांग्रेस को मजबूत करने में जुटना चाहिए। आज कांग्रेस को अर्जुन सिंह जैसे नेताओं की जरूरत है। जिस तरह अर्जुन सिंह सबको साथ लेकर चलते थे। उस तरह हर स्तर के नेता को काम करना चाहिए। अपने जिले के नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की कोशिश सबको करना चाहिए। हालांकि बैठक में स्व सिंह के पुत्र व वरिष्ठ नेता अजय सिंह, पूर्व सीएम कमलनाथ समेत कई नेता मौजूद नहीं थे। बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, कमलेश्वर पटेल, ओमकार सिंह मरकाम सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। बैठक में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, जिला अध्यक्षों ने भाग लिया।

बताया जाता है कि इस बैठक में संविधान बचाओ अभियान पर मुख्य रुप से चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 25 से 30 अप्रैल के बीच पूरे देश में संविधान बचाव रैली आयोजित की जाएगी। मध्यप्रदेश में इस अभियान की शुरुआत 28 अप्रैल से ग्वालियर में एक रैली के साथ की जाएगी। सभी जिलों में समस्त जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश कमेटी के समन्वय से रैलियां आयोजित की जाएंगी। इन रैलियों में मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदहाली जैसे मुद्दों को उजागर किया जाएगा। युवाओं, किसानों, मजदूरों और दलित समुदायों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

मंत्रालय कर्मियों को महंगाई भत्ता अगले महीने, आदेश जारी

भोपाल। मप्र में मंत्रालय के कर्मचारियों को अप्रैल के वेतन में ही बढ़ा हुआ भत्ता दिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सचिवालय (मंत्रालय) भत्ते में वृद्धि के आदेश जारी कर दिए है। इससे मंत्रालय के लगभग 1500 कर्मचारी लाभान्वित होंगे। मंत्रालय भत्ता एक जुलाई 2013 के बाद से नहीं बढ़ाया गया था। वित्त विभाग ने कैबिनेट निर्णय के बाद बढे हुए भत्ते देने के आदेश तो जारी कर दिए लेकिन वाहन भत्ता एवं विकलांग भत्ते के आदेश जारी करना भूल गया। राज्य सरकार एक अप्रैल 2025 को कैबिनेट बैठक में प्रदेश के कर्मचारियों के गृह भाड़ा भत्ता स्थाई यात्रा भत्ता अनुग्रह भत्ता दोहरा कार्य भत्ता अव्यवसायिक वाहन भत्ता विकलांग भत्ता वृद्धि करने की मंजूरी दी थी। इसके बाद तीन अप्रैल को वित्त विभाग ने वाहन भत्ता 200 से 384 एवं विकलांग भत्ता 350 से 675 करने के आदेश को छोड़कर उक्त अन्य सभी भत्तों का लाभ एक अप्रैल 2025 से प्रदेश के कर्मचारियों को मई के वेतन से देने का आदेश जारी कर दिया। अब तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि अप्रैल माह समाप्ति की ओर है 13 साल से जो भत्ते नहीं बढ़ाए गए थे कैबिनेट की मंजूरी के बाद भी वाहन भत्ता एवं विकलांग भत्ता देने के आदेश जारी न होने पर अप्रैल के वेतन में इनका लाभ मिलना प्रतीत नहीं हो रहा है। तिवारी ने मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री से वाहन भत्ता एवं विकलांग भत्ता देने के आदेश शीघ्र जारी करने की मांग की है। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने सचिवालय भत्ते के आदेश जारी होने पर हनुमानजी महाराज और मुख्यमंत्री यादव का आभार व्यक्त किया।

शहरों के स्कूलों में वर्षों से जमे शिक्षकों को भेजा जाएगा गांव, तीन साल पढ़ाना होगा

- शहरों में जिन स्कूलों का रिजल्ट लगातार कम वहां के शिक्षकों की जुटाई जा रही जानकारी

भोपाल। शहरी क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों लंबे से जमे शिक्षकों अब स्कूल शिक्षा विभाग ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में भेजने की तैयारी कर रहा है। ऐसे शिक्षकों की जानकारी जुटाने का काम विभाग ने शुरू कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में भेजने वाले शिक्षकों को कम से कम तीन साल गांव के स्कूलों में पढ़ाना होगा। हालांकि विभागीय जानकारों के अनुसार, कुछ शिक्षको को इस व्यवस्था में शामिल नहीं किया जाएगा। इसमें तीन साल की सेवाएं शेष होने और गंभीर बीमारी या विकलांगता से पीड़ित शिक्षकों को इस प्रक्रिया से मुक्त रखा जाएगा। स्थानांतरण में वरीयता क्रम निर्धारित किया गया है। नई नीति अनुसार शिक्षकों को निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की निजी पदस्थापना में पदस्थ नहीं किया जाएगा।

विभागीय समीक्षा बैठक में मिले निर्देश: उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री ने इसको लेकर निर्देश दिए हैं। वीडियो कांफ्रेसिंग के दौरान मंत्री ने सालों से शहरों में जमे शिक्षकों को गांव में भेजने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि शहरों में जिन स्कूलों का रिजल्ट लगातार कम आ रहा है, उनके शिक्षकों को प्रशासकीय आधार पर गांव में भेजा जाएगा। विभागीय सूत्रों की मानें तो मई के पहले सप्ताह में ट्रांसफर की तिथि घोषित करने की तैयारी की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग में तबादले के लिए आवेदन ऑफलाइन नहीं लिए जाएंगे। शिक्षकों के आवेदन ऑनलाइन ही लिए जाएंगे। रिलीविंग और जॉइनिंग की कार्यवाही ऑनलाइन होगी।

मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय: कुलगुरु प्रो. डॉ. संजय तिवारी कार्य मुक्त, केसी गुप्ता होंगें कार्यवाहक कुलगुरु

भोपाल। मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी को मंगलवार को राजभवन द्वारा विश्वविद्यालय के कुलगुरु पद से कार्य मुक्त कर दिया गया। उनके स्थान पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव के सी गुप्ता को कार्यवाहक कुलगुरु बनाया गया है। के. सी. गुप्ता इस पद पर तब तक रहेंगे, जब तक विश्वविद्यालय में नियमित कुलपति की नियुक्ति नहीं हो जाती। उल्लेखनीय है कि, प्रो. संजय तिवारी की नियुक्ति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में कुलपति पद पर हो जाने के फल स्वरुप राज भवन द्वारा उन्हें कार्य मुक्त किया गया है। प्रो. डॉ. संजय तिवारी का विदाई समारोह विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया।

संपादकीय

टकराव पैदा करने वाली टिप्पणियां

देश में फिर इन दिनों ऐसी अनचाही बहस का मंच तैयार हो गया है जिसकी कोई उपयोगिता नहीं है, न ही इससे देश या समाज को कोई लाभ होने वाला है। यह बहस है न्यायपालिका और कार्यपालिका के कामकाज की व्याख्या की। हाल में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट पर की गई टिप्पणियों ने कार्यपालिका और विधायिका के बीच के टकराव को सार्वजनिक कर दिया है। इसके बाद भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने इस बहस में नए और तीखे तेवर घोल रखे हैं। दरअसल जजों की नियुक्ति का मामला हो या संविधान की व्याख्या इस पर मतभेद पहले भी रहे हैं। लेकिन, पहली बार संवैधानिक पद पर बैठे किसी जिम्मेदार ने इतनी तल्ख बातें की हैं। जिस मंच का इस्तेमाल किया गया, वह भी सही नहीं था। इससे किसी बदलाव की उम्मीद कम, बेकार की बहस बढ़ने का अंदेशा ज्यादा है। उल्लेखनीय है कि देश की शीर्ष अदालत ने हाल में एक मामले की सुनवाई करते हुए राज्यपालों के अलावा राष्ट्रपति के लिए भी विधेयक पास करने की समय-सीमा तय करने की बात कही थी। बल्कि खुद भी एक सीमा बताई थी। उपराष्ट्रपति की टिप्पणियां उसी संदर्भ में रहीं। उनका सबसे सख्त ऐतराज इस पर बात पर रहा कि सुप्रीम कोर्ट देश के राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकता। धनखड़ संवैधानिक पद पर हैं और जब वह ऐसी बात करते हैं, तो टकराव बढ़ता है। उपराष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 142 को लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ न्यूक्लियर मिसाइल बताया है। यह अनुच्छेद सुप्रीम कोर्ट को विशेष अधिकार देता है। जब पूर्ण न्याय के लिए कोई और रास्ता नहीं बचता, तब सुप्रीम अदालत इस अनुच्छेद से मिली पूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करती है। इसे किसी संवैधानिक संस्था के खिलाफ हथियार नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह उम्मीद का दरवाजा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट को 'सुपर संसद' कहा, अनुच्छेद 145 (3) में संशोधन की वकालत की। यह अनुच्छेद तय करता है कि संविधान से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की पीठ का गठन किस तरह किया जाएगा। ऐसे में इस तरह की टिप्पणियां जनता में भ्रम पैदा कर सकती हैं, अविश्वास का माहौल बनता है। उपराष्ट्रपति की कुछ चिंताएं अपनी जगह सही भी हो सकती हैं। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश के घर से मिले नोटों के जले हुए बंडल का जिक्र किया और जवाबदेही की बात उठाई। देश के नागरिक के तौर पर उनकी चिंता और सवाल जायज हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे पारदर्शिता बढ़े और न्यायपालिका पर भरोसा कायम रहे। हालांकि माना जाता है कि बतौर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी टिप्पणियों से बच सकते थे। आज के राजनीतिक माहौल में ज्यादा संतुलित व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। इसी तरह निशिकांत दुबे ने जो कहा वह भी बहुत अजीब था, उन्होंने सुप्रीम अदालत को लगभग नसीहत देने के अंदाज में बातें कहीं,सीमा से बाहर जाने की बात भी कही तथा यह तक कह डाला कि संसद को बंद ही कर देना चाहिये। कमोबेश इसी तरह की बातें उप्र के नेता दिनेश शर्मा ने भी कह डालीं। इन बातों को लेकर सियासी बवाल बनना ही था और बना भी, खुद सत्ताधारी दल भाजपा को आगे आकर दुबे की बातों से खुद को असंबध्द बताना पडा लेकिन इस पूरे घटनाक्रमों से एक अप्रिय अध्याय भी जुड गया है।

संकल्प और भावना जीवन तराजू के दो पलड़े हैं।
- वृन्दावन लाल

आज का इतिहास

- 1990 -नामीबिया सं.रा. संघ का 160वां सदस्य बना।
- 1996 - चेचेन्या के अलगाववादी नेता दुदायेव का हवाई हमले में निधन।
- 1999 - उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की स्थापना के लिए 50 वर्ष पूरे होने पर वांशिगटन में तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन का शुभारम्भ।
- 2002 - पेइचिंग में भारत तथा चीन के बीच सीमापार आतंकवाद पर वार्ता।
- 2003 - कुर्द और अरब विवाद को निपटाने के लिए आयोग गठित करने का निर्णय।
- 2007 - रूस के पूर्व राष्ट्रपति बोरिस निकोलाइएविच ऐल्तसिन का निधन।
- 2008 - क्षेत्रीय अनुसंधान और विश्लेषण केन्द्र, लखनऊ को केन्द्र सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने मान्यता दी।
- 1858 - पंडिता रमाबाई - प्रख्यात भारतीय विदुषी महिला और समाज सुधारक का जन्म।
- 1873 - विठ्ठल रामजी शिंदे - महाराष्ट्र के प्रसिद्ध और बड़े समाज सुधारकों में से एक थे का जन्म।
- 1889 - जीपी श्रीवास्तव - हिन्दी साहित्यकार का जन्म।

निशाना

सेंकते हम रोटी !

-कृष्णेन्द्र राय

छोटी छोटी घटना पर।
सेंकते हम रोटी।।
करनी राजनीति है।
बात नहीं ये छोटी।।
कोशिश लगातार है।
टूट न जाए क्रम।।
रहना हमको ज़िंदा।
ना इसमें हो भ्रम।।
होंगे लाख जलील पर।
ना लाना बदलाव।।
जनता ने ठुकरा कर।
दिया बराबर घाव।।
मुद्दों की हम खोज में।
है लाना हर हाल।।
भले लाख हम पर।
उठते हों सवाल।।

खाद्य और जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती

■ ज्ञानेन्द्र रावत

ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है।

नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी

द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है।

सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग-अलग दरों से तेज़ी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है। इन्हें 'एशिया की जल मीनार' और 'दुनिया का तीसरा ध्रुव' कहा जाता है। बीते 40 वर्षों में 440 अरब टन बर्फ हिमालय से पिघल चुकी है, और केवल वर्ष 2010 में ही 20 अरब टन बर्फ का नुकसान हुआ। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि यदि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो सदी के अंत तक एक-तिहाई और यदि यह वृद्धि 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है तो दो-तिहाई हिमालयी ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चेतावनी दी कि नेपाल के पहाड़ों से एक-तिहाई बर्फ पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत और चीन जैसे प्रमुख कार्बन उत्सर्जकों के बीच बसे इस क्षेत्र में नेपाल के ग्लेशियर 65 फीसदी तक पिघल चुके हैं, और अगर यही हाल रहा तो हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के 75 फीसदी ग्लेशियर इस सदी के अंत तक नष्ट हो सकते हैं। ग्लेशियरों के इस संकट से यह स्पष्ट है कि अब समय शब्दों का नहीं, कार्यों का है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करना, वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना और जल स्रोतों को संरक्षित करना मानवता की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्ययन से पता चला है कि हिमालय में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता उपयोग है, विशेषकर वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण। हिमालयी क्षेत्र अब शहरीकरण और जनसंख्या दबाव से जूझ रहा है। वहीं, ग्लोबल वार्मिंग से पिघलते ग्लेशियरों के कारण बन रही झीलें गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं। इसरो के अनुसार, हिमालय की 2,432 ग्लेशियर झीलों में से 672 का आकार तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें भारत की 130 झीलें संभावित टूटने के कगार पर हैं। यह स्थिति आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है। यह सच है कि बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन ग्लेशियरों के विनाश का प्रमुख कारण बन रहे हैं। यह केवल बर्फ के पिघलने का संकट नहीं, बल्कि एक विनाशकारी सुनामी की तरह है जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, द्वीप और तटीय इलाके डूब रहे हैं, बाढ़ और सूखा बढ़ रहे हैं, और नदियां संकट में हैं।

हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने के साथ-साथ हिमालय क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप पर अंकुश, जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण करना होगा, ताकि हम कुछ सकारात्मक बदलाव देख सकें। अन्यथा, वह दिन दूर नहीं जब पानी की कमी, सूखे और नदियों का खात्मा हमारे जीवन का हिस्सा बन जाएगा। ग्लेशियरों को बचाना सिर्फ बर्फ को बचाना नहीं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों और जीवन के अस्तित्व को बचाना है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

सहकारिता में नवाचार से नित नए आयाम गढ़ता मध्यप्रदेश

■ दुर्गेश रायकवार

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम है सहकारिता एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है। स्व से सब का भाव हो जाना ही सहकार है। भारतीय संस्कृति स्वयं से ऊपर उठकर हम की भावना रखना सिखाती है और इसी भावना से जन्म हुआ है सहकार का। सनातन संस्कृति में जब हम प्रार्थना करते हैं तो सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना करते हैं। सबके सुख और मंगल की यही कामना सहकारिता का मूल भाव हैढ्ढ हम लाभ से ज्यादा सेवा को महत्त्व देते हैं। एक से ज्यादा समूह को महत्त्व देते हैं। प्रतिस्पर्धा से ज्यादा परस्पर सहयोग को महत्व देते हैं और यही सहकारिता है।

भारत का सहकारिता आंदोलन सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में गहराई से निहित है। यह आंदोलन समावेशी विकास, सामुदायिक सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में विकसित हुआ है। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना और इसकी नवीनतम पहलों के माध्यम से सरकार ने एक सहकारिता-संचालित मॉडल को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, जो देश के हर कोने तक पहुंचेगा और समाज की मुख्य धारा से अलग पड़े समुदायों के लिए स्थायी आजीविका और वित्तीय समावेशन की सुविधा प्रदान करेगा।

सहकारी समितियों को पुनर्जीवित करने की दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने इस क्षेत्र को मजबूत और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक नीतिगत ढांचा, कानूनी सुधार और रणनीतिक पहल शुरू की। सरकार ने सहकारी समितियों के लिए 'व्यापार करने में आसानी', डिजिटलीकरण के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करने और वंचित ग्रामीण समुदायों के लिए समावेशिता को बढ़ावा देने की अपनी पहल पर काफी जोर दिया है। केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में भारत का सहकारिता आंदोलन एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। अपनी दूरदर्शी सोच को आधार बनाकर उन्होंने सहकारिता के लिए नई विचारधारा को जन्म दिया है। उनके नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय ने भारतीय सहकारी आंदोलन में उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का विस्तार, पैक्स के लिए बेहतर प्रशासन और व्यापक समावेशिता, पैक्स को कम्प्यूटरीकृत करने एवं पैक्स को नाबार्ड से जोड़ने का काम किया है।

नई श्वेत क्रांति की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

प्रदेश में सहकार से समृद्धि की पहल के तहत केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और स्टेट डेयरी को-ऑपरेटिव फेडरेशन तथा फेडरेशन से संबद्ध दुग्ध संघों के बीच कोलेबोरेशन एग्रीमेंट हुआ। इस कोलेबोरेशन एग्रीमेंट के माध्यम से सहकारी डेयरी नेटवर्क को सशक्त बनाने का लक्ष्य है, जिससे दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि हो सके और सांची ब्रांड का उत्थान और विस्तार किया जा सके। यह नई श्वेत क्रांति की ओर प्रदेश का महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इसका लाभ दुग्ध उत्पादकों और दुग्ध उपभोक्ताओं दोनों को मिलेगा। दुग्ध उत्पादक राज्यों में मध्यप्रदेश टॉप-थ्री में है, हमारे यहां देश का करीब 9 प्रतिशत दुग्ध-उत्पादन होता है। प्रदेश में रोजाना करीब 551 लाख किलोग्राम दूध का उत्पादन होता है, जिसमें से मध्यप्रदेश स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन और इससे जुड़े संघ करीब 10 लाख किलोग्राम दूध जमा करते हैं।

डेयरी क्षेत्र में अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश देश का फ़ूड बास्केट तो है ही, हममें डेयरी कैपिटल बनने की क्षमता भी है। देश का डेयरी कैपिटल बनने के

लिए हमारे पास पर्याप्त संसाधन हैं। प्रदेश में सहकारी डेयरी नेटवर्क को हाइटेक बनाने के लिए एक डेयरी डेवलपमेंट प्लान तैयार करने की योजना है, जिसमें लगभग 1450 करोड़ रुपए का निवेश होगा। प्रदेश में औसत दुग्ध संकलन को दोगुना किया जाएगा, दुग्ध संकलन को 10 लाख किलो से बढ़ाकर 20 लाख किलो प्रतिदिन करने का प्रयास शुरू कर दिया गया है। प्रदेश में दुग्ध सहकारी समितियों की संख्या 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार की जाएगी। प्रदेश भर के 18 हजार गांवों के दुग्ध-उत्पादन से जुड़े किसान भाइयों को सहकारी डेयरी नेटवर्क से जोड़ेंगे। ग्राम स्तर पर दुग्ध शीतलीकरण की क्षमता विकसित करेंगे, औसत पैकेट दुग्ध विक्रय 7 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 15 लाख लीटर प्रतिदिन करेंगे।

मिल्क प्रोसेसिंग क्षमता बढ़ाने के लिए नए हाइटेक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे दुग्ध संकलन और दुग्ध विक्रय में वृद्धि हो सके। सभी दुग्ध संघों का व्यवसाय 1944 करोड़ से बढ़ाकर 3500 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष किया जाएगा। एनडीडीबी द्वारा एमपीसीडीएफ एवं दुग्ध संघों के प्रबंधन, संचालन, तकनीकी सहयोग, नवीन प्रसंस्कररण एवं अन्य अधोसंरचनाएं विकसित करेंगे। एनडीडीबी द्वारा दुग्ध सहकारी समितियों के सभी सदस्यों, सचिवों, प्रबंधन समिति के सदस्यों और दुग्ध संघों के कर्मचारियों को स्वच्छ और गुणवत्तायुक्त दुग्ध उत्पादन के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सहकारिता से सरल हुई सशक्तिकरण की राह

प्रदेश में डेयरी गतिविधियों के लिए त्रि-स्तरीय सहकारी संस्थाओं का गठन कर, ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियां, सहकारी दुग्ध संघ और राज्य स्तर पर एमपीसीडीएफ (मध्यप्रदेश स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड) की स्थापना की गई। ये दुग्ध सहकारी समितियां किसानों से दूध संग्रह, गोवंश के कृत्रिम गर्भाधान, संतुलित पशु आहार, तकनीकी पशु प्रबंधन, उन्नत चारा बीज, पशु उपचार और टीकाकरण जैसी सुविधाएं देने की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

दुग्ध उत्पादक किसानों के साथ मध्यप्रदेश सरकार

डेयरी क्षेत्र विकसित करने के संकल्पों की सिद्धि के लिए प्रदेश में श्वेतक्रांति मिशन के अंतर्गत 2500 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य है। प्रदेश में निराश्रित गौवंश की समस्या के निराकरण के लिए स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना की नीति ÷ 2025 की स्वीकृति दी है। गौ-शालाओं को पशु चारे और आहार के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को भी 20 रुपये प्रति गौवंश प्रति दिवस से बढ़ाकर 40 रूपये प्रति गौवंश प्रति दिवस करने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना अब डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना के नाम से जानी जाएगी। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना अंतर्गत 25 दुधारू गाय अथवा भैंस की इकाई स्थापित करने का प्रावधान किया गया। प्रदेश की गौ शालाओं को हाइटेक बनाया जा रहा है। ग्वालियर स्थित आदर्श गौ-शाला में देश के पहले 100 टन क्षमता वाले सीएनजी प्लांट की स्थापना की गई है। भोपाल के बरखेड़ी-डोब में 10 हजार गौ-वंश क्षमता वाली हाइटेक गौ-शाला बनाई जा रही है। प्रदेश के सवा 2 लाख किसानों एवं दुग्ध उत्पादकों को सहकारिता के माध्यम से जोड़ा गया है। सरकार द्वारा दुग्ध सहकारी संघों के डेयरी प्रोडक्ट्स को मार्केट लिंकेज दिलाकर वैश्विक सप्लाई चेन से कनेक्ट करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए नई योजना के तहत 25 या 25 से ज्यादा गायों का पालन करने वाले पशुपालकों को पशुपालन पर अनुदान दिया जाएगा।

जीआईएस से शुरू हुआ मप्र में सहकारिता का नया अध्याय

सहकार को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पहली बार सहकारिता क्षेत्र को जोड़ा गया है। समिट में सहकारिता क्षेत्र में 2305 करोड़ से अधिक के 19 एमओयू साइन हुए हैं। को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट-पार्टनरशिप (सीपीपीपी) मॉडल पर भी काम किया गया। सीपीपीपी मॉडल देश की सहकारिता को बदलने का काम करेगा। सहकारिता विभाग में निवेश विंग की स्थापना करने का निर्णय लिया है। निवेश विंग डे-टू-डे काम करेगी।

सहकार से मिल रही रफ़्तार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश की सभी सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण के लिए अनेक कदम उठाए हैंद्य सरकार द्वारा प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिससे पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि हो रही है। पैक्स के डिजिटलीकरण से किसानों को त्वरित ऋण सुविधा, ऑनलाइन लेन-देन और रिकॉर्ड प्रबंधन में मदद मिल रही है। 'सहकारिता में सहयोग' यानी ÷को-ऑपरेशन एमॉन्ग को-ऑपरेटिवस÷ को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे छोटे और बड़े सहकारी संस्थान एक-दूसरे की मदद कर सकें। सहकारी समितियाँ अब केवल कृषि तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डेयरी, क्रेडिट, विपणन, बीज वितरण, जैविक खेती को बढ़ावा देना, महिला स्व-सहायता समूहों को समर्थन और उपभोक्ता सेवाओं तक अपना दायरा बढ़ा रही हैं।

डिजिटलीकरण के साथ-साथ सहकारिता के क्षेत्र में नवाचार और प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन प्रयासों से मध्यप्रदेश की सहकारी समितियाँ किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी हैं। ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाकर, डिजिटल एकीकरण और सहकारी उद्यमिता को बढ़ावा देकर सरकार सहकारी नेतृत्व पर आधारित आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत और टिकाऊ मॉडल तैयार कर रही है।

उम्मीद है कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और स्टेट डेयरी को-ऑपरेटिव फेडरेशन तथा फेडरेशन से संबद्ध दुग्ध संघों के बीच कोलैबोरेशन एग्रीमेंट डेयरी व्यवसाय के क्षेत्र में मिसाल कायम करेगा।

(साभार : लेखक उप संचालक जनसंपर्क हैं)

शिक्षक ही विकसित और समर्थ भारत की नींव है : हरिसिंह रघुवंशी

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

जनशिक्षा केंद्र के शिक्षकों द्वारा शिक्षा के प्रति अपने कार्य क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों का सम्मान करने हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें क्षेत्र के विधायक हरिसिंह रघुवंशी,जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, एसडीएम विजय राय, तहसीलदार संदीप जायसवाल सहित जनपद सीईओ, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षकों द्वारा आयोजित सम्मान समारोह

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि असली सम्मान के हकदार तो शिक्षक स्वयं है। वे शिक्षा का ऐसा दीप जलाते है जिससे पूरा समाज प्रकाशित हो जाता है। शिक्षक ही विकसित और समर्थ भारत की नींव है। आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों ने

शिक्षकों से स्वयं का सम्मान करवाने की जगह शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए उनका ही सम्मान किया विधायक ने उत्कृष्ट कार्य हेतु जनशिक्षा केंद्र की रमा श्रीवास्तव , किरण चौरसिया, अनीता ठाकुर, तृप्ति तिवारी आदि को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनपद पंचायत अध्यक्ष नीतू रघुवंशी ने शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए सहयोग करने का आश्वासन दिया। एसडीएम विजय राय द्वारा मंच पर ही सिविल सेवा सप्ताह के चलते उत्कृष्ट शिक्षक कार्य हेतु संजीव रघुवंशी, काशीराम मालवीय एवं भगवती रघुवंशी का सम्मान किया। साथ ही शिक्षकों को संबोधित करते हुए सदैव तत्परता से शाला में कार्य करने और नित्य नए नवाचार करते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी परता अहिरवार एवं बीआरसी बृजेंद्र रघुवंशी को उनकी उत्तम कार्यशैली और शिक्षकों हित में कार्य करने हेतु और उचित मार्गदर्शन हेतु सम्मानित किया गया।

नगर में सड़क पर अतिक्रमण और बेतरतीब खड़े वाहन, ट्रैफिक में बन रहे बाधा

यातायात व्यवस्था ध्वस्त, लग रहा जाम, हो रही दुर्घटनाएं, पुलिस प्रशासन बेपरवाह

तेन्दूखेड़ा/दमोह, दोपहर मेट्रो

बेपटरी हो चुकी यातायात व्यवस्था का सबसे बड़ा असर नगर के बाजार क्षेत्र पर पड़ रहा है पहले जहां मुख्य मार्ग व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र हुआ करता था, वहीं अब यहां अतिक्रमण के कारण सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। जिसके कारण लोग मुख्य सड़क बाजार से कम, अन्य दुकानों से सामान खरीदते हैं। जाम से परेशान होकर ग्राहक अब सड़क पार करने से कतराने लगे हैं।

जहां एक ओर व्यापारिक प्रतिष्ठान बढ़ गए हैं तो वहीं दूसरी ओर खकरिया रोड के सकरे एवं जाम से भरपूर होने के कारण लोग अब वहां खरीदारी के बजाय वैकल्पिक मार्गों पर जाने लगे हैं

सड़क तक फैलाईं दुकानें, रहवासी हो रहे परेशान

नगर परिषद द्वारा दी गई दुकानों की सीमा से बाहर जाकर अधिकांश व्यापारियों ने अपनी दुकानें बढ़ा ली हैं। वे सड़क तक अस्थाई शो केस और सामान रखकर दुकान का विस्तार कर लेते हैं और जो व्यापारी विस्तार नहीं किए हुए हैं, वह अपनी दुकान के सामने हाथठेले की दुकाने लगवा लेते हैं। ऐसे व्यापारियों से प्रतिदिन 200 से 300 रुपए वसूलते हैं। जिससे

सड़क पर चलने के लिए जगह नहीं बचती है। नगर की यातायात व्यवस्था अब तक नहीं सुधरी है। जहां देखो वहां जाम की स्थिति निर्मित हो रही है नगर में अतिक्रमण व अव्यवस्थित यातायात से नगरवासी काफी परेशान हैं

वहीं दूसरी ओर सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना जनपद पंचायत मार्ग पर रहने वाले लोगों को करना पड़ रहा है जहां तीन साल से सड़क खस्ताहाल है जिसके कारण धूल-मिट्टी हवा में उड़कर लोगों के घरों में घुस रही है साथ ही लोगों को बीमार बना रही है तो वहीं दूसरी ओर इस मार्ग पर सबसे ज्यादा जाम जैसे हालात बनते हुए नजर आते हैं क्योंकि इस मार्ग पर कृषि मंडी के कारण आए दिन दर्जनों ट्रक कंटेनर साथ ही किसानों के ट्रैक्टर ट्राली व अन्य वाहन निकलने से जाम लगता है क्योंकि यह मार्ग खस्ताहाल होने के साथ ही सिंगल मार्ग है साथ ही इस मार्ग पर सभी सरकारी विभागों के कार्यालय बने हुए हैं जिसके कारण अधिकारी और जनप्रतिनिधि के वाहन गुजरते है और जाम मैं फंसकर रह जाते हैं

सड़क पर खड़े कर रहे वाहन

विभिन्न वार्डों में सड़कों पर वाहन खड़े रहने से मार्ग बाधित रहते हैं। यहां तक कि मुख्य मार्ग पर भी लोग अपने-अपने दो पहिया, चार पहिया सहित ट्रक, यात्री बस प्रतिष्ठानों के सामने प्रतिदिन खड़े किए जा रहे हैं। जिससे यातायात व्यवस्था के साथ नगर की व्यवस्था बिगड़ गई है। जो लोग मुख्य मार्ग एवं अन्य मार्गों पर अपना वाहन सड़क के पास खड़ा करते हैं, उन्हें इससे कोई सरोकार नहीं है कि उनके वाहन खड़े करने से मार्ग से गुजरने वाले अन्य लोगों को परेशानी होती है और ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ जाती है

50 फीट का मार्ग 20 में तब्दील हो जाता है

नगर में तहसील कार्यालय से लेकर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय तक मुख्य मार्ग लगभग 50 फुट चौड़ा है, लेकिन हालात 20 फीट जैसे हैं। क्योंकि मार्ग के दोनों ओर हाथ ठेले व बड़े वाहन चौबीसों घंटों खड़े रहते हैं जिसके कारण मार्ग चौड़ा हो जाने के बाद भी हमेशा संकीर्ण बना रहता है। इसके अलावा मुख्य मार्ग से नगर में जाने वाली सड़कों पर भी अव्यवस्थित होकर वाहन खड़े रहते हैं। साथ ही हाथ ठेले वाले भी सड़क पर आ गए हैं। जिससे वहां से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों को परेशानी होती है।

पुलिस इस व्यवस्था को सुधारने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। परिणामतः सामान्य लोग मुसीबत झेलने मजबूर हैं

लगातार मांग के बाद भी जिम्मेदारों की अनदेखी

जाम के हालात से जूझ रहे अन्य नगर वासियों द्वारा लगातार बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए पुलिस-प्रशासन से मांग की जाती रही है, लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कुल मिलाकर जिम्मेदारों की अनदेखी का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। पुलिस की अनदेखी से वाहन चालकों का मनोबल बढ़ गया है। इस वजह से जिसकी जहां इच्छा होती है, वाहन खड़ा कर चले जाते हैं

नगर के भटरिया मार्ग के पास ही सभी शासकीय कार्यालय स्थित है। इसी मार्ग पर कृषि उपज मंडी पड़ती है। जिसके कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में ट्रकों, ट्रैक्टर-ट्राली का आना-जाना बना रहता है। यह नगर का सबसे व्यस्ततम मार्ग बन गया है और इसी मार्ग पर सबसे ज्यादा अतिक्रमण फैला है। इस मार्ग की सड़क भी कई जगह संकीर्ण स्थिति में पहुंच गई है। जिसके कारण हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है

कृषि मंडी में जन चेतना शिविर : साइबर फ्रॉड से बचने किसानों को किया जागरूक

गंजबासौदा। जागरूकता अभियान के अंतर्गत बासौदा शहर पुलिस द्वारा कृषि मंडी में जन चेतना शिविर आयोजित किया गया। जिसमें किसानों और व्यापारियों को साइबर फ्रॉड के बारे में समझाया कि आप की जरा सी सावधानी आपको किस तरह से सुरक्षित रख सकती है। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी एंव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी मनोज मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना बासौदा शहर निरीक्षक योगेंद्र सिंह परमार एवं लालाराम प्रजापति , रतिराम राठौर ,आरक्षक राकेश रावत, आरक्षक आजाद सिंह दांगी द्वारा साइबर सुरक्षा ,नशामुक्ति एवं महिला अपराधों के संबंध में जागरूकता अभियान अनाज मंडी बासौदा पर बिंदु बार वर्तमान में किस तरीके के फ्रॉड चल रहे हैं एवं नशा से होने वाले आर्थिक एवं सामाजिक नुकसान के बारे में जन चेतना अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें सभी का सहयोग रहे एवं अधिक से अधिक लोगों तक एवं परिवार के सदस्यों एवं सामाजिक तौर पर प्रत्येक व्यक्ति तक जागरूकता अभियान की जानकारी पहुंच सके। जिससे लोगों के साथ साइबर अपराध घटित ना हो सके साइबर फ्रॉड के बचाव एवं साइबर फ्रॉड हो जाने पर किस प्रकार पोर्टल एवं 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

सेन समाज मंदिर पर मांगलिक भवन बनाने विधायक ने की 5 लाख की घोषणा

गंजबासौदा। बरेठ रोड स्थित सेन समाज मंदिर के परिसर में मांगलिक भवन का निर्माण किया जाना है जहां धर्मशाला का निर्माण अधूरा है मंदिर परिसर में समाज के लोगों द्वारा अपने कार्यक्रम को सम्पन्न किया जाता है लेकिन धर्मशाला का निर्माण अधूरा होने के चलते आयोजन करने वाले लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है और मंदिर में होने वाले बड़े स्तर के आयोजनों में समस्या उत्पन होती है जिसको लेकर मंगलबार को सेन समाज मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी से विधायक कार्यालय पर पहुंच कर मुलाकात की और सेन समाज मंदिर परिसर में मांगलिक भवन के निर्माण के लिए एक आवेदन सौंपा जिसमे तत्काल ही विधायक हरिसिंह रघुवंशी द्वारा 5 लाख की राशि देने की घोषणा की जिस पर सेन समाज के पदाधिकारियों द्वारा विधायक रघुवंशी का फूलमाला से भव्य स्वागत किया गया इस मौके पर संरक्षक सत्यप्रकाश सेन, संरक्षक एवं सेन समाज प्रदेश सह सचिव रामरतन सेन, मंदिर अध्यक्ष शिवनारायण सेन, पूर्व अध्यक्ष नारायण प्रसाद, गयाप्रसाद सेन,रामबाबू सेन,राहुल, मुकेश सेन, नरेश सेन,मनीष,रामकृष्ण, रविन्द्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कृषि उपज मंडी परिसर में विद्युत ट्रांसफार्मर में लगी आग

गंजबासौदा। नवीन कृषि मंडी परिसर में मंगलवार को विद्युत ट्रांसफार्मर में अचानक से आग लग जाने से हड़कंप मच गया। डीपी में लगी आग इतनी तेज थी कि पूरा ट्रांसफार्मर आग की चपेट में आ गया। चारों तरफ आग लपटें और धुआं दूर से ही नजर आ रहा था। वहीं आसपास के लोगों ने विद्युत विभाग को सूचित किया। इसके बाद विद्युत सप्लाई को को बंद किया गया। लेकिन तब तक आग इतनी भयंकर हो चुकी थी कि ट्रांसफॉर्मर और विद्युत केवल जल चुकी थी।

शिक्षकों का योग प्रशिक्षण शुरू

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

हाईस्कूल हायर सेकेडरी स्कूल के शिक्षको का योग प्रशिक्षण शासकीय कन्या उमाविद्यालय मे मंगलवार से प्रारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विभाग कार्य कारिणी सदस्य रामकमल सिंह रघुवंशी ने योग का महत्व समझाया। जिला कोषाध्यक्ष योगेश त्रिपाठी ने योग प्रशिक्षण शिविर लगाकर गांव गांव जन जन तक योग जन जागरण करने का आह्वान किया । उन्होने योग के माध्यम से विभिन्न रोगो के निदान पर बल दिया। योग आयोग विकास खंड अध्यक्ष चंद्र कुमार तारण ने भगवत गीता मे श्री कृष्ण के योग दर्शन को सबसे बडा योग दर्शन व गीता को मानव कल्याण का साधन बतलाया। उन्होने कहा योग कर्मषु कौशलम। प्राचार्य शिल्पांजना शर्मा ने सभी शिक्षक से योग प्रशिक्षक के रूप मे बच्चो को योग प्रतियोगिताऔ मे अधिक से अधिक भेजने व नगर विकास खंड का नाम रोशन करने की बात कही । वैद्यराज निहाल सिंह पंथी ने करो योग रहो निरोग का मंत्र देकर अंग्रेजी दवाइयो के कुप्रभाव व दुष्परिणाम बताऐ । योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने योग अभ्यास प्राणायाम आसन ध्यान ओम का जाप, गायत्री मंत्र व महामृत्युंजय मंत्र का पाठ कराया। महिला योग प्रशिक्षक एकता राय विमलेश लोधी ने शांति पाठ व संकल्प दिलाया।

जनसुनवाई में आए 111 आवेदन, रावत ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ सौजान सिंह रावत ने आमजनों द्वारा दिए गए आवेदनों का त्वरित निराकरण किया। जनसुनवाई में कुल 111 आवेदन आएं।

जनसुनवाई में संजय नगर नर्मदापुरम निवासी पंचकुला भिसे द्वारा आवेदन देकर बताया गया कि उनके पति की मृत्यु हो जाने के उपरांत संबल योजना के तहत सहायता राशि प्राप्त नहीं हुई है जिस पर जिला पंचायत सीईओ द्वारा श्रम अधिकारी को जांच के निर्देश दिए गए। श्रम अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि उक्त प्रकरण स्वीकृत किया जा चुका है जिसमें शीघ्र ही राशि अंतरित की जाएगी। जनपद पंचायत सिवनी मालवा की ग्राम

पंचायत हिरण खेड़ा के सरपंच द्वारा गांव में नवीन विद्युत केवली कारण कार्य करवाए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिला पंचायत सीईओ ने ईई एमपीईबी को निर्देशित किया कि क्षेत्र सर्वे कर समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। जनसुनवाई के दौरान मालखेड़ी नर्मदापुरम निवासी संतोष कुमार पासी ने कच्चे मकान का हवाला देते हुए पट्टा प्रदान किए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर जिला पंचायत सीईओ द्वारा तहसीलदार नर्मदा पुरम को निर्देशित किया कि उक्त संबंध में जांच कर आवश्यक कार्रवाई संपादित की जाए। इसी प्रकार सीईओ श्री रावत ने अन्य आवेदनों का भी समाधान किया।

मेट्रो एंकर सरकार का जल संरक्षण जल संवर्धन अभियान सराहनीय है

पृथ्वी दिवस पर ली जल संरक्षण की शपथ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस पर सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के द्वारा जलगंगा संवर्धन अभियान के लिए नेहरू पार्क में संगोष्ठी का आयोजन किया गया.

अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के सदस्यों ने नेहरू पार्क में उपस्थित होकर संगोष्ठी कर जल संरक्षण हेतु संकल्प लिया. पर्यावरणविद, अकादमिक काउंसलर डॉ. मयंक तोमर ने बताया कि सर्वप्रथम वर्ष 1969 में जॉन मैक कोन्नेल्ल ने मनाने

का प्रस्ताव रखा था और बाद में 1970 में अमेरिका में पृथ्वी दिवस मनाया गया, तत्पश्चात 141 देशों ने इसे सर्वसम्मति से 2016 में जलवायु संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया, इसके साथ ही डॉ. तोमर ने कहा मध्यप्रदेश सरकर की जलस्त्रोतों के संरक्षण-संवर्धन की बूंद बूंद जिंदगी, बूंद बूंद उम्मीद पर आधारित जलगंगा अभियान के तहत पहल सराहनीय है, सभी को इसे जनांदोलन का समर्थन करना चाहिए और इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हैं. इस संगोष्ठी में सामाजिक समरस्ता राष्ट्रीय एकता मंच के अध्यक्ष अरुण दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

पृथ्वी बिना किसी स्वार्थ के हमें समृद्धि देती है:डॉ. तोमर

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरणविद् और समाजसेवी डॉ मयंक कुमार ने कहा मां वसुंधरा हमें एक पुत्र की तरह आजीवन पालती है, माता पृथ्वी अपने गर्भ से हमें पानी, आंचल से प्राणवायु और छाती चीरकर पेट भरने के लिए अन्न, वस्त्र ओर सारी समृद्धि देती है वह भी बिना किसी अपेक्षा के पूर्णत: निशुल्क जरा सोचिए हमने अपने लालच, स्वार्थ, नादानी, मूर्खता में इसका क्या हाल कर दिया है आइए हम सब मिलकर इस अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस पर अपनी धरती को ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण से बचाने का संकल्प लें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पचलावरा ग्राम में तालाब गहरीकरण एवं सफाई कार्य संपन्न

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पिपरिया तहसील की ग्राम पंचायत पचलावरा में स्थित लगभग 17 एकड़ क्षेत्रफल में फैले शासकीय तालाब में जनसहयोग से श्रमदान कर तालाब का गहरीकरण एवं सफाई कार्य प्रारंभ किया गया।

इस अभियान का उद्देश्य वर्षा ऋतु में अधिकतम वर्षा जल का संचयन कर जलस्तर को बढ़ाना एवं भूमिगत जल स्रोतों को रिचार्ज करना है। तालाब की सफाई एवं गहरीकरण से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि इससे ग्रामवासियों को सिंचाई एवं अन्य आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त जल भी उपलब्ध हो सकेगा। इस कार्य में जनपद पंचायत पिपरिया की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुमन खातरकर, सचिव, ग्रामीण रोजगार सहायक (जीआरएस), जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। सभी ने मिलकर श्रमदान के माध्यम से तालाब की सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया।

वृंदावन ग्राम योजना क्रियान्वयन संबंधी बैठक, जिले में 7 ग्राम किए गए हैं चिन्हित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज अपने चेंबर में वृंदावन ग्राम योजना क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित कर दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिले में चिह्नित किए गए 07 वृंदावन ग्रामों में कृषि, पशुपालन एवं डेयरी, उद्यानिकी, कुटीर एवं ग्रामोद्योग और विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा क्रियान्वित योजनाओं के संचालन तथा कृषकों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण, स्व सहायता समूह के गठन, पशुपालन, जैविक कृषि, दुग्ध उत्पादन इत्यादि के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया है।

बैठक में बताया गया कि जिले के सभी सातों विकास खंडों के एक-एक ग्राम को वृंदावन ग्राम चिन्हित किया गया है जिनमें विदिशा विकासखंड में अहमदपुर, नटेरन में बिछिया, सिरोंज में अमीरगढ़, ग्यारसपुर में गुलरखेड़ी, लटेरी में मुरारिया, कुरवाई में मॉडल ग्राम बरखेड़ा लायरा और बासौदा में ग्राम गमाखर को

कलेक्टर ने योजना के क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए

वृंदावन ग्राम में सम्मिलित किया गया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि वृंदावन ग्राम योजना का जिले में सुव्यवस्थित रूप से क्रियान्वयन हो, इसके लिए चिन्हित किए गए सभी 07 ग्रामों के सचिव और सरपंचों की बैठक आयोजित करें

और 15 दिवस की समयावधि में सभी चिन्हित किए गए ग्रामों में संबंधित विभाग भ्रमण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने आजीविका मिशन के अधिकारी को निर्देश दिये हैं कि इन ग्रामों में स्व सहायता समूह का गठन किया जाए। और नावार्ड की योजनाओं को भी शामिल करें। दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में बढ़ावा देने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विभाग हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाएं। किसानों के जॉब कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड बनवाएं। साथ ही साथ उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी विभाग, उद्यानिकी और कृषि विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना में प्रत्येक किसान को लाभ दिलाए जाना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी ग्रामों में सोलर पंप योजना से हितग्राही लाभान्वित हो, इसके लिए स्व सहायता समूह की महिलाओं को भी प्रेरित किया जाए। स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुद्रा लोन सहित आटा चक्की, कियोस्क सेंटर इत्यादि के लिए भी कार्य किए जाएं। इस बैठक में जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ पंकज जैन सहित अन्य विभागों के अधिकारी गण मौजूद रहे।

मां बीजासन दरबार में गूंजे देवी के भजन

सिरोंज। मंगलवार को महिला समूह द्वारा भजन कीर्तन संपन्न हुआ महिलाओं को सुहाग सामग्री वितरण । नगर मौजूद के वार्ड 18 में मां बीजासन दरबार में देवी भजनों की गूंज सुनाई दे रही है।, वही मंदिर के पुजारी पं. ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि मंगलवार को माता के दरबार में महिलाओं द्वारा कई घंटे तक भजन किए एवं समापन के दौरान सुहाग सामग्री प्रसादी वितरण की गई।

किसान वेयरहाउस पर सरकार को लगाया जा रहा है चूना, एसडीएम की जांच में हुआ खुलासा

औचक जांच में मिली गड़बड़ी, बोरियों का वजन मिला कम, अब होगी वसूली

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

उपार्जन केंद्रों पर किसानों को तो पहले से ही परेशान किया जा रहा है। फसल पास करने से लेकर भरने छाप लगाने तथा तुलवाने के लिए भी खुले आम अवैध वसूली हो रही है। किसान वेयरहाउस पर तुलाई के दौरान वेयरहाउस में रखी जानी वाली बोरियों के वजन में भारी कमी देखने को मिलेगी जबकि किसानों से अधिक उपज ली जा रही है। इस तरह से खुलेआम सरकार को क्षति पहुंचाने का काम बिचौलिए करवा रहे है। इसकी पोल भी मंगलवार को एसडीएम हर्षल चौधरी की जांच में खुली जब वहां अचानक किसान वेयरहाउस पहुंचें इन्होंने जांच करवाई तो तुलाई के बाद वेयरहाउस में अंदर रखी बोरियों का जब वजन करवाया तो वह देखकर दंग रह गए कुछ बोरियों में वजन 48 किलो निकला जबकि सरकार 50 किलो के मन से किसानों को भुगतान कर रही है ।

तुलाई करने वाले मुकदमा के द्वारा किसान से 50 किलो से ऊपर उपज ली जाती है उसके बाद ही बोरी अंदर होती है फिर बीच में यह कैसे हो रहा है यह भी बड़ा सवाल है किसके इशारों पर इस कार्य को

किया जा रहा है उनके चेहरे उजागर होनी चाहिए। सरकार के लिए वेयरहाउस में रखी जाने वाली बोरियों में बजन कम पाया गया कुछ और बोरियों तो एक पहले रखी गई थी उनका वजन कराया तो 48 किलो निकला अधिकांश बोरियों में 400 ग्राम से लेकर 600 ग्राम तक अनाज कम पाया गया इसके बाद कार्रवाई के लिए एसडीएम ने पंचनामा तैयार करवाया मामला गंभीर होने पर। गड़बड़ी करने वालों पर आगे कार्रवाई के लिए समिति प्रबंधक तथा मुकदमा को नोटिस थे एसडीएम के द्वारा जारी किया गया है । जितनी बोरियों में तोल के बाद वजन कम पाया जाएगा उतनी राशि की वसूली मुकदमा से नियमों के हिसाब से वसूली की जाएगी

जानकारी के अनुसार हजारों कुंटल उपज अभी तक किसानों से खरीदी गई है यदि इन सभी रखी हुई बोरियों की तुलाई फिर से करवाई जाए तो बड़े गड़बड़ झाले से पर्दा उड़ सकता है यहां पर किसानों से तो ज्यादा माल लिया गया है पर बड़ा उसमें रखने के दौरान इनमें से उपजी निकाल कर उसको दूसरे तरीके से फर्जी किसानों के नाम पर किसी बैराज में रखकर लाखों का गोलमाल किया गया है। इस तरह से किसानों से मेहनत की फसल ज्यादा लेकर सरकार को कम और रिकॉर्ड में काम रखने वालों पर प्रशासन अधिकारियों को काली कार्रवाई करनी चाहिए भाई देखने वाली बात होगी कि इतने बड़े मामले में जिम्मेदारी कार्यों के द्वारा गोलमाल करने वालों पर कितनी

ठोस कार्रवाई की जाएगी प्रकार बाय के नाम पर खाना पूर्ति करके मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा।

भरने तोलने के नाम पर भी वसूली

किसानों को हर जगह उपज बेचने के लिए परेशान होना पड़ रहा है । किसान वेयरहाउस पर जांच के दौरान किसान रवि कुशवाहा मानपुर ने बताया कि हमसे मुकदमा ने 30 किलो अनाज यह 1000 रुपए मांगे नहीं देने पर फसल की भराई भी नहीं की छाप भी लगने से मना कर दिया कहने लगे कि खुद ही भरो स्वाम ही छाप लगाओ

इसके बाद एसडीएम ने मुकदमा को फटकार लगाते हुए कहा इस तरह से किसाने को परेशान किया तो सख्त कर्रवाई करेंगे इस मामले की भी जांच एसडीएम के द्वारा अलग से करवाई जाएंगी एक के बाद एक कई गड़बड़ी है यहां पर पाई गई तो बीच में मुकदमा की आड़ में दलाली करने वालों सकल देखने लायक थी। या फिर कहे अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और दिखने वाले लोग किसानों के नाम पर गोलमाल करने में लगे हुए उनकी पोल खुल गई है। प्रशासन को ऐसा करने वालों पर कड़ी करवाई करनी चहिए वही दूसरे वेयरहाउस की भी जांच करवाई जाए कहीं यहां पर भी इसी तरह का खेल तो नहीं चल रहा है।

इनका कहना है

"किसान वेयरहाउस की जांच के दौरान रखी गई उपज की बोरियों में वजन कम पाया गया है इसके बाद समिति प्रबंधक और मुकदमा को नोटिस जारी किया है ,सरकार को क्षति पहुंचाने वालों से ही नियम अनुसार वसूली करेंगे अन्य वेयरहाउसों की भी जांच करेंगे।"

–हर्षल चौधरी एसडीएम

117 नरवाई जलाने वालों पर 3.52 लाख का जुमाना, दो पर केस दर्ज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं। उन्होंने नरवाई जलाने से होने वाले हादसों की रोकथाम करने में कोई चूक ना हो के दिशा-निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री गुप्ता के निर्देश पर अमल करते हुए सभी एसडीएम द्वारा कार्य क्षेत्रों कठोर कार्रवाई संपादित की जा रही है। नरवाई जलाने वालों के खिलाफ पुलिस में प्रकरण दर्ज कराएं जा रहे हैं। वहीं अर्थदंड की भी समानांतर कार्यवाही हो रही है। नरवाई जलाने वालों के खिलाफ जिले में आज की गई कार्रवाई की जानकारी देते हुए अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने बताया कि मंगलवार को विदिशा तहसील क्षेत्र में दो एफआईआर दर्ज कराने तथा 117 के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 3 लाख 52 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है और वसूली की कार्यवाही की जा रही है।

अर्थदंड - मंगलवार को नरवाई जलाने वालों के खिलाफ की गई कार्रवाई तदनुसार सिरोंज एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि सिरोंज तहसील क्षेत्र में आज मंगलवार को 27 किसानों को नरवाई जलाने पर दण्डित करने हेतु प्रकरण पंजीबद्ध कर 67 हजार 500 रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

इसी प्रकार तहसील कुरवाई के ग्राम जमुनापुर, खिरिया, मड़इया, केथोरा, खजरोद, फतेहपुर में 24 कृषकों पर पृथक-पृथक प्रकरणो में एक लाख 30 हजार रुपए की अर्थदण्ड राशि अधिरोपित की जाकर वसूली के कार्रवाई हेतु नोटिस जारी किए गए हैं। जबकि तहसील नटेरन अंतर्गत विगत दिवस में विभिन्न ग्रामो में नरवाई में लगी हुई आग की घटनाओं के विरुद्ध कार्यवाही कर 61 किसानों पर पृथक-पृथक प्रकरण दर्ज कर एक लाख 42 हजार 500 रुपये अर्थ दण्ड आरोपित किया गया है। वहीं विदिशा एसडीएम क्षितिज शर्मा ने बताया कि तहसील क्षेत्र में नरवाई जलाने वाले 5 नागरिकों से अर्थदंड 12 हजार 500 वसूलने की कार्यवाही की गई ।

नपा ने तहसील परिसर में शुरु की प्याऊ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मंगलवार को नगरपालिका परिषद एवं जनसहयोग से लटेरी मार्ग पर गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए प्याऊ का शुभारंभ किया गया।

इसका लाभ न्यायलय परिसर एवं तहसील कार्यालय में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या मे आने वाले फरियादी आम जन मिलेगा नगर पालिका के द्वार विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर नगर के विभिन्न स्थानों में प्याऊ शुरू कराई जा रही है।

मंगलवार को व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती मोना शुक्ला पाण्डेय एवं सुश्री अंकिता जैन ने परिसर में प्याऊ का फीता काटकर । इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, एसडीएम हर्षल चौधरी,मुख्य नापाधिकारी रामप्रकाश साहू,बीएमओ विकास सिंह बघेल, ,स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना सहित पार्षदगण गण उपस्थित थे।

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश के लटेरी इकाई अध्यक्ष बने प्रशांत, महासचिव बनाए गए श्रीवास्तव

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अरुण सक्सेना की अनुशंसा पर प्रशांत कटियार को जम्प की लटेरी ब्लॉक इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं महासचिव सतीश श्रीवास्तव को बनाया गया है। वहीं स्थानीय पत्रकार शैलेंद्र रघुवंशी को जम्प की प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल करने पर जम्प टीम द्वारा शीर्ष नेत्रत्व का आभार व्यक्त किया गया है। इस अवसर पर जंप के सदस्यों द्वारा श्री रघुवंशी एवं श्री कटियार का भव्य स्वागत कर शुभकामनाएं प्रदान की है।

नव नियुक्त जम्प के ब्लॉक अध्यक्ष श्री कटियार ने कहा है कि

मध्यप्रदेश में पत्रकारों के हितों की रक्षा करने वाली इकाई जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश है जो हमेशा पत्रकारों के हितों एवम सम्मान के लिए काम कर रही है । हम पत्रकारों के कल्याण के लिए पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ काम करेंगे, पत्रकारों के सम्मान के लिए हमेशा कंधे से कन्धा मिलाकर साथ देंगे, एवम पत्रकारों के सुख-दुख में हमेशा साथ रहेगे और पत्रकारों के खिलाफ किसी भी तरह का अत्याचार और उत्पीडन् बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। वहीं प्रांतीय कार्यकरणी सदस्य श्री रघुवंशी ने कहा है कि स्थानीय समस्याओं को प्रदेश स्तर पर उठाने के लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा।

अधिक शराब पीने से हुई मौत

सिरोंज। देहरी जागीर निवासी राम लखन उम्र 35 साल की शराब अधिक पीने से मृत्यु हो गई। इसके बाद इसका पीएम शासकीय राजीव गांधी अस्पताल में हुआ बीएमओ विकास सिंह बघेल ने बताया कि शराब का सेवन अधिक मात्रा में करने और नॉर्मल गोलियां खाने से इनकी मृत्यु हो गई है । पीएम के बाद सब परिजनों को सौंप दिया। इधर पुलिस ने मार्ग का मामला दर्ज करके छानबीन प्रारंभ कर दी।

प्रशासन के जल संवर्धन अभियान के तहत राधा कुंड की साफ सफाई

सिरोंज। मंगलवार को जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत एसडीएम हर्षल चौधरी की मौजूदगी में तहसील और जनपद कार्यालय के अधिकारी कर्मचारियों ने राधा कुंडों पर पहुंचकर प्राचीन बावड़ी की साफ सफाई करते हुए इसके आसपास जितना भी कचरा और कीचड़ थी उसको निकाल कर परिसर को भी साफ सुंदर कर दिया इसके बाद यहां का दृश्य बहुत ही साफ स्वच्छ नजर आने लग।एसडीएम ने बताया कि श्रमदान करके हम लोगों ने इसकी साफ सफाई की है आगे भी प्राचीन जल स्तोत्रों की साफ सफाई के लिए हम श्रमदान करेंगे आम जनता को भी जोड़ा है।जिससे कि आने वाले समय में इनका उपयोग जनहित के लिए किया जा सके प्राचीन जल स्त्रोतों का उपयोग पहले पानी पीने के लिए होता था उनको संवारने का काम सरकार कर रही है। इस दौरान जनपद सीईओ वंदना शर्मा , सुनील रघुवंशी आदि मौजूद थे।

बालों के लिए टॉनिक तो गर्मी में सेहत के लिए रामबाण का काम करती है ककड़ी

मार्केट में नजर आने लगी गर्मी में सबसे ज्यादा पसंद करने वाली ककड़ी 90 प्रतिशत जल तत्व फाइबर विटामिन कैल्शियम

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गर्मी में लगातार बढ़ते तापमान के बीच अब मार्केट व बाजार में ककड़ी की भरमार देखने लगी है और लोग अपने घरों में खरीदकर ले जा रहे हैं दरअसल 90 प्रतिशत जल तत्व व कई प्रकार के खनिज की मात्रा से भरपूर बाजार में मिल रही ककड़ी सेहत के साथ बालों के लिए भी टॉनिक का काम करती है इसके गुणों के बारे में शायद ही आपकों पता होगा। गर्मी के मौसम में मिलने वाली यह ककड़ी खीरा प्रजाति की होती है और राहत पहुंचाती है। इसमें

फाइबर, विटामिन, कैल्शियम, आयोडीन, पौटेशियम, सिलिकॉन, सल्फर, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है। सिलिकॉन और सल्फर की मात्रा अधिक होने से यह बालों के स्वास्थ्य और उनकी बढ़ोत्तरी में सहायक होता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से बाल लंबे होते हैं। इसका रस निकाल कर बालों में लगा कर धोना फायदेमंद साबित होता है। यह त्वचा के लिए भी फायदेमंद होती है। इससे खून साफ होता है। फोड़े-फुंसियां होती है। बीज को पानी के साथ पीसकर चेहरे पर लेप लगाने से त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है ककड़ी के बीजों में गर्मी दूर करने वाले गुण पाए जाते हैं। इनके सेवन से चिड़चिड़ापन, बौखलाहट, गुस्सा व मानसिक परेशानियां भी दूर होती हैं। शरीर को ठंडा रखने के लिए इसके बीज का इस्तेमाल करना अच्छा होता है। गर्मी व लू की मार से बचाती है खीरे की अपेक्षा ककड़ी में अधिक मात्रा में पानी पाया जाता है। गर्मी में इसके नियमित सेवन से शरीर में पानी की कमी नही होती है। डीहाइड्रेशन से बचाव करती है। टॉक्सिक या विषैल पदार्थो को शरीर से बाहर निकाल कन उसे डीटॉक्स करने में मदद करती है पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाती है नियमित रूप से सेवन करने से यह शुगर को कंट्रोल करती है।

सेविंग करवाने के बाद प्राइवेट बैंक नहीं कर रही ग्राहकों की राशि वापस एसडीएम से की शिकायत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

आम जनता से उसकी मेहनत की राशि लेने के बाद जब समय पूरा होने पर लौटाने की बारी आई तो जिम्मेदार गायब हो गए हैं। इससे परेशान होकर उपभोक्ताओं ने मंगलवार को जनसुनवाई में एसडीएम को आवेदन देते हुए कहा कि एल आई पी बैंक पर 420 का मुकदमा दर्ज करवाई जाए क्योंकि इस बैंक ने हम लोगों के साथ धोखाधड़ी । हितग्राही ने जमा क गई राशि वापस करवाने की मांग की इसके बाद हितग्राहियों को एसडीएम ने कार्यवाही के लिए भेजा थाने यहां पर पीड़ितों थाना प्रभारी की अनुपस्थित प्रधान आरक्षक गोविंद यादव को दिया शिकायती आवेदन दिया अब देखने की इस मामले में पुलिस प्रकरण दर्ज करेगी या नहीं क्योंकि यह पहले भी पुलिस को आवेदन दे चुके हैं।

बुमराह बने विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर, स्मृति मंधाना को भी यह खिताब

वेस्टइंडीज के पूरन टी-20 में बेस्ट क्रिकेटर

सोनीपत, एजेंसी

भारतीय स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह और महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना को विजडन क्रिकेटर्स अल्मनैक 2025 से सम्मानित किया गया है। बुमराह को पुरुष क्रिकेटर का और मंधाना को वुमन कैटेगरी में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर घोषित किया गया है। वहीं बेस्ट टी-20 क्रिकेटर का सम्मान वेस्टइंडीज के विकेटकीपर निकोलस पूरन को दिया गया है। 1889 से दिया जा रहा है यह अवॉर्ड विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड क्रिकेट का सबसे पुराना इंडिविजुअल अवॉर्ड है। 1889 से हर साल यह लिस्ट विजडन जारी कर रहा है,जिसका सिलेक्शन पिछले सीजन में परफॉर्मेंस के आधार पर किया जाता है। कोई भी खिलाड़ी एक बार से ज्यादा बार यह अवॉर्ड नहीं जीत सकता है। बुमराह को विजडन के संपादक लॉरेंथ बूथ ने स्टार ऑफ द ईयर बताया। बुमराह ने पिछले साल टेस्ट क्रिकेट में 20 से कम औसत से 200 विकेट लेने वाले इतिहास के पहले टेस्ट गेंदबाज बनें। बुमराह ने अब तक 45 टेस्ट मैच में 19.40 की औसत से 204 विकेट ले चुके हैं।

वहीं जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने अकेले ही 13.06 की औसत से 32 विकेट चटकाए थे। बूथ ने बुमराह को सभी समय का सबसे महान खिलाड़ी माने जाने का दावा भी किया।

मंधाना ने 2024 में सभी फॉर्मेट में 1600 से ज्याद रन बनाए: स्मृति मंधाना को विजडन ने दुनिया की बेस्ट महिला खिलाड़ी माना है। उन्होंने 2024 में सभी फॉर्मेट में 1659 रन बनाएं, जो कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एक कैलेंडर वर्ष में किसी महिला खिलाड़ी की ओर से बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। इसमें वनडे में चार शतक भी शामिल हैं। वहीं मंधाना ने पिछले साल जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दस विकेट की जीत में दूसरा टेस्ट शतक (149) लगाया था।

पूरन ने 2024 में टी-20 में142 की स्ट्राइक से 464 रन बनाएं: निकोलस पूरन को लीडिंग टी 20 प्लेयर का अवॉर्ड मिला। उन्होंने साल 2024 में 21 मैच खेलते हुए 464 रन बनाए व इस दौरान उनका औसत 25 और स्ट्राइक रेट 142 का रहा,पूरन मौजूदा समय में आईपीएल में शानदार परफॉर्मेंस कर रहे हैं। उन्होंने अब तक 8 मैच खेलते हुए लखनऊ के लिए 368 रन बना लिए हैं। इस बार पांच क्रिकेटर में सरे काउंटी के 3 खिलाड़ी गस एटकिन्सन, जेमी स्मिथ और डैन वॉरल को शामिल किया है।

रोहित-सूर्या पर नजरें; प्लेऑफ में बने रहने के लिए हैदराबाद की जीत जरूरी

राजीव गांधी स्टेडियम में आज SRH-MI का मैच

हैदराबाद, एजेंसी

आईपीएल 2025 का 41वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला जाएगा। मैच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से शुरू होगा। दोनों टीमें सीजन में दूसरी बार आमने-सामने होंगी। इस सीजन एमआई ने 8 मैच खेले हैं, जिसमें अब तक 4 मैच जीते हैं और इतने में ही हार झेली है। वहीं एसआरएच ने 7 मुकाबले खेले हैं जिसमें सिर्फ 2 मुकाबले जीते हैं और 5 में हार का सामना किया है। मुंबई पॉइंट्स टेबल में छठे और हैदराबाद 9वें स्थान पर है। प्लेऑफ के लिहाज से हैदराबाद के लिए यह महत्वपूर्ण मैच है।

मुंबई का पलड़ा भारी

आईपीएल में मुंबई और हैदराबाद 24 मैचों में आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से 14 मुकाबले एमआई ने अपने नाम किए हैं। वहीं एसआरएच ने 10 मैच जीते हैं। हेड टु हेड में मुंबई, हैदराबाद से आगे है। इस सीजन दोनों टीमों की पहली भिड़ंत 17 अप्रैल को हुई थी। इसमें एमआई ने एसआरएच को 4 विकेट से हराया था। उस मैच में कप्तान पैट कमिंस ने 3 विकेट लेते हुए अच्छी गेंदबाजी की थी, लेकिन जीत नहीं दिला सके थे।

हेड हैदराबाद के टॉप बैटर

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए दोनों ओपनर्स ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा ने शानदार खेल दिखाया है। हेड टीम के अब तक टॉप स्कोरर है, उन्होंने 7 मैच 262 रन बनाए है। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 168 का रहा। हेड ने एमआई के खिलाफ 5 पारियों में 37.40 की औसत और 153.27 की स्ट्राइक रेट से 187 रन बनाए हैं। अभिषेक शर्मा ने 7 मैच में 242 रन बनाए हैं। टीम के लिए बैटर ईशान किशन की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। पहले मैच में उनकी शतकीय पारी की छोड़ दे, तो किशन ने पिछली 6 पारियों में कुल 32 रन बनाए हैं। बॉलर्स में हर्षल पटेल हैदराबाद के लिए टॉप विकेट टेकर है।

बेहतरीन डेथ बॉलिंग से जीती दिल्ली, लखनऊ को 8 विकेट से हराया, पोरेल-राहुल की फिफ्टी

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के 40वें मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में दिल्ली ने बॉलिंग चुनी। लखनऊ ने 6 विकेट खोकर 159 रन बनाए। दिल्ली ने 18वें ओवर में 2 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। दिल्ली से अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने फिफ्टी लगाई। मुकेश कुमार ने 4 विकेट लिए। लखनऊ से ऐडन मार्करम ने 52, मिचेल मार्श ने 45 और आयुष बडोनी ने 36 रन बनाए। मार्करम ने 2 विकेट भी लिए।

प्लेयर ऑफ द मैच: पावरप्ले में बॉलिंग करने उतरे मुकेश कुमार ने मिडिल और डेथ ओवर्स में बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने आखिरी ओवरों में मिचेल मार्श, अब्दुल समद, आयुष बडोनी और ऋषभ पंत के विकेट लिए। मुकेश की बॉलिंग के सामने लखनऊ के बैटर्स बड़ा स्कोर नहीं बना सके।

जीत के हीरो: मिचेल स्टार्क- नई गेंद से बॉलिंग करने आए स्टार्क ने 4 ओवर में महज 25 रन दिए। उन्होंने निकोलस पूरन का बड़ा विकेट भी लिया। ओपनिंग करने उतरे पोरेल ने दिल्ली को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 51 रन बनाए और टीम की सेंचुरी पूरी कराई। नंबर-3 पर बैटिंग करने उतरे राहुल ने पोरेल के साथ 69 रन की पार्टनरशिप की। उन्होंने फिफ्टी लगाई और टीम को जीत दिलाई।

फाइटर ऑफ द मैच: लखनऊ से ओपनिंग करने उतरे ऐडन मार्करम ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने 52 रन बनाए और मिचेल मार्श के साथ 87 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। मार्करम ने फिर गेंदबाजी में फाइट दिखाई और 2 विकेट लिए। उन्होंने अभिषेक पोरेल और करुण नायर को पवेलियन भेजा।

टर्निंग पॉइंट: दिल्ली के गेंदबाजों ने आखिरी 10 ओवर्स में बेहतरीन बॉलिंग की। लखनऊ की टीम इनमें 72 रन ही बना सकी और 5 विकेट भी गंवा दिए। डेथ ओवर्स में दिल्ली की बॉलिंग ही मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। दिल्ली को छोटा टारगेट मिला, जिसे टीम ने आसानी से हासिल कर लिया।

दिल्ली के 12 पॉइंट्स हुए: गुजरात के साई सुदर्शन टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर हैं, उनके नाम 417 रन हो गए। गुजरात के ही प्रसिद्ध कृष्णा 16 विकेट लेकर टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर हैं। दिल्ली ने 8 मैचों में छठी जीत दर्ज की, टीम 12 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। लखनऊ को 9 मैचों में चौथी हार मिली, टीम 10 पॉइंट्स के साथ पांचवें नंबर पर ही है।

नंबर-1 को मात: ओस्तापेंको आठ साल बाद क्ले कोर्ट पर बनीं चैंपियन

स्टटगार्ट. एजेंसी

लात्विया की येलेना ओस्तापेंको ने शीर्ष वरीयता प्राप्त बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर स्टटगार्ट ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। 2017 में फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली ओस्तापेंको ने आठ साल के लंबे अंतराल के बाद क्ले कोर्ट पर अपना पहला खिताब जीता है। सोमवार को यहां खेले गए फाइनल मुकाबले में गैर वरीय खिलाड़ी ओस्तापेंको ने शीर्ष वरीय सबालेंका को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराया। लात्वियाई खिलाड़ी ओस्तापेंको की विश्व नंबर एक सबालेंका के खिलाफ यह पहली जीत है।

पहली खिलाड़ी बनीं: ओस्तापेंको ने अंतिम-8 में दूसरी वरीय इगा स्विटेक को हराया था। वे 13 साल में पहली बार क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में विश्व नंबर एक व नंबर दो खिलाड़ी को हराने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

मुझसे बेहतर खेलीं: आज येलेना मुझसे बेहतर खेलीं। उन्होंने मुझे हर क्षेत्र में पीछे छोड़ा। -आर्यना सबालेंका

अविश्वसनीय जीत: मैं यहां जीतना चाहती थी। यह अविश्वसनीय जीत है। टॉप सीड खिलाड़ी को हराना हमेशा खास होता है। स्टटगार्ट ओपन के फाइनल में शीर्ष वरीय व दुनिया की शीर्ष बेलारूसी खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को दी शिकस्त, सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से जीता मुकाबला। डेनमार्क के टेनिस खिलाड़ी होल्गर रुन ने बार्सिलोना ओपन के फाइनल में शीर्ष वरीय स्पेन के कार्लोस अल्कारेज को 7-6, 6-2 से हराकर दो साल बाद पहला एटीपी टूर खिताब जीता। खिताब जीतने के बाद रुन ने पूल में छलांग लगाकर जीत का अनोखे अंदाज में जश्न मनाया।

मेट्रो बाजार

भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 254 फीसदी बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत स्मार्टफोन के लिए एक प्रमुख उत्पादन केंद्र के रूप में उभर रहा है। स्मार्टफोन विनिर्माण में वृद्धि से निर्यात में इजाफा हुआ है। इसके अलावा, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की घोषणा और अमेरिकी कंपनी एपल के भारत में आईफोन विनिर्माण शुरू करने से भी निर्यात बढ़ाने में मदद मिली है। भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने यानी अप्रैल-दिसंबर अवधि में 253.70 फीसदी बढ़कर 3.53 अरब डॉलर पहुंच गया। भारत इसके साथ ही चीन और वियतनाम के बाद अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्यातक बन गया है। हालांकि, इस दौरान चीन और वियतनाम से निर्यात में गिरावट आई है। भारत 2023-24 की समान अवधि में भारत ने अमेरिका को सिर्फ 99.8 करोड़ डॉलर के स्मार्टफोन बेचे थे। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान स्मार्टफोन निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 7.76 फीसदी पर पहुंच गई। 2023-24 की समान अवधि में यह दो फीसदी थी। आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान चीन का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात 38.26 अरब डॉलर से घटकर 35.1 अरब डॉलर रह गया।

भारतीय स्टार्टअप इस साल जुटा सकते हैं एक लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी। स्टार्टअप इनोवेशन व विकास जारी रखने के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस और सही मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करें। कांत ने देश में स्टार्टअप की चिंता पर कहा, लंबे समय के टिकाऊ और समृद्ध बनने के लिए ऐसी कंपनियों को कड़े कदम उठाने होंगे। भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र दुनिया में सबसे जीवंत है। भारतीय स्टार्टअप इस साल करीब एक लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटा सकते हैं। स्टार्टअप महाकुंभ में उद्यम पूंजी फर्म पीक एक्सवी के प्रबंध निदेशक राजन आनंदन ने सोमवार को कहा, करीब 20 अरब डॉलर की निजी पूंजी बिना निवेश के पड़ी है और वह भारत में निजी फर्मों एवं स्टार्टअप में निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। उम्मीद है कि भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर (66,316 से 99,493 करोड़ रुपये) जुटा सकते हैं। आनंदन ने कहा, 2021 से पहले स्टार्टअप में निवेश राशि 8-10 अरब डॉलर थी। 2021 और 2022 में यह संयुक्त रूप से बढ़कर 60 अरब डॉलर पहुंच गई। पिछले साल निवेश राशि सात अरब डॉलर थी, जिसे लोगों ने कम कहा। यह शून्य भी हो सकती थी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

फिल्म 'शैतान' में आई थी नजर

तीनों स्टार के साथ काम कर कुछ न कुछ सीखा ही मैंने: जानकी

अजय देवगन की फिल्म 'शैतान' में देखा जाए तो अभिनय के मामले में अभिनेत्री जानकी बोदीवाला अव्वल नंबर पर रही हैं। फिल्म में बच्ची सी दिखने वाली इस अदाकारा ने अजय देवगन और ज्योतिका की किशोरवय बेटी जाह्नवी का किरदार निभाया है। लेकिन, गुजराती सिनेमा में काम करते हुए जानकी को लंबा अरसा हो चुका है और वह इस समय 28 साल की हैं। जिस गुजराती फिल्म 'वश' की 'शैतान' हिंदी रीमेक है उसमें जानकी ने आर्या की भूमिका निभाई थी। 30 अक्तूबर 1995 को अहमदाबाद में जन्मी जानकी हिंदी सिनेमा में अपनी डेब्यू फिल्म 'शैतान' को लेकर काफी उत्साहित हैं।

जानकी ने बताया कि मैंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत गुजराती फिल्म इंडस्ट्री से की। जिस तरह से आम लड़कियों की बचपन में सोच होती हैं कि एक्टिंग करनी है, उसी तरह की मेरी भी सोच रही है। बचपन में सभी अभिनेत्रियों को देख कर लगता था कि एक्टर ही बनना है। जब फिल्में देखती थी तो मुझे लगता था कि फिल्म की एक्ट्रेस खुद ही गा रही हैं, लेकिन जब होश संभाला तब समझ में आया कि गाने तो किसी और ने गाए हैं, बस उन गानों पर वह परफॉर्म कर रही हैं। मुझे काजोल, करीना कपूर खान और आलिया भट्ट की फिल्में बहुत पसंद हैं। उनकी फिल्में देखकर ही अभिनय की तरह मेरा झुकाव हुआ।

गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में है जानकारी: मेरी शुरुआत गुजराती फिल्म 'छेलो दिवस' से हुई। इस फिल्म के लिए मैंने ऑडिशन दिया, उसमें मेरा चयन हो गया। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई और साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म रही हैं। इस फिल्म से पहले अभिनय के बारे में मुझे कुछ नहीं पता था, क्योंकि न ही मैंने कहीं से एक्टिंग सीखी है और न ही थियेटर किया है। जो भी मैंने सीखा है फिल्मों में काम करके ही सीखा है। इसके बाद मैंने गुजराती में कई फिल्म की।

अजय देवगन की फैन हूं...

हम सब तो उनके बहुत बड़े फैंस हैं ही, इस बात में कोई शक नहीं है। लेकिन मुझे उनके साथ काम भी करना था। मैं उनकी कितनी बड़ी जबरदस्त फैन रही हूं, पूरी एक महीने की शूटिंग के दौरान जाहिर नहीं होने दिया। लेकिन जैसे ही फिल्म की शूटिंग खत्म हुई, मैं अपने जज्बात को रोक नहीं पाई। धीरे से अजय सर के पास गई और कहा कि सर, क्या मैं आपके साथ एक सेल्फी ले सकती हूं? उन्होंने कहा, ऑफ कोर्स। उसके बाद मैंने उनको बताया कि उनकी कितनी बड़ी फैन हूं।

आयुष्मान फिल्मों के चुनाव को लेकर बोले- मुझे जोखिम से भरे किरदार पसंद

आयुष्मान खुराना अपनी हर फिल्म में एक अलग अवतार में दिखाई देते हैं। उनकी फिल्मों या किरदारों में कोई दोहराव दिखाई नहीं देता है। इस विषय में बात करते हुए अभिनेता कहते हैं, मैं शुरू से ही ऐसी फिल्में करना चाहता था जो किसी ने नहीं किया हो। अभिनेता आयुष्मान खुराना बॉलीवुड में अलग तरह की फिल्में करने के लिए मशहूर हैं।

फिल्म 'विक्की डोनर' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्मे दी हैं। साल 2023 में उनकी फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब रही थी। हाल ही में आयुष्मान बॉलीवुड में अपने करियर और अपनी फिल्मों के चुनाव पर खुलकर बातें करते दिखाई दिए। आयुष्मान खुराना अपनी हर फिल्म में एक अलग अवतार में दिखाई देते हैं। उनकी फिल्मों या किरदारों में कोई दोहराव दिखाई नहीं देता है। इस विषय में बात करते हुए अभिनेता कहते हैं, मैं शुरू से ही ऐसी फिल्में करना चाहता था जो किसी ने नहीं किया हो। मुझे बॉलीवुड में आकर कुछ अलग करना था।

जोखिम लेना है पसंद : आयुष्मान खुराना अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैं हमेशा से कुछ ऐसा करना चाहता था जिसे देखकर मुझे या मेरे फैंस को गर्व महसूस हो और मैं आज भी जोखिम भरे किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। एक अभिनेता के तौर पर मेरी प्राथमिकता मेरे दर्शक हैं। मैं चाहता हूं वे जब भी मेरी कोई फिल्म देखें उन्हें लगे कि उन्होंने कुछ अलग और नया देखा है। मैं दोहराव से डरता हूं।

वर्जित विषयों का चुनाव: फिल्म विक्की डोनर में आयुष्मान स्पर्म डोनर की भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म बांझपन की पृष्ठभूमि पर आधारित थी। अपनी फिल्मों के चुनाव पर बात करते हुए अभिनेता कहते हैं, मुझे हमेशा से वर्जित विषयों पर काम करना और उन्हें जानना पसंद है।

कृति ने बनाया हलवा, शेयर की तस्वीर तो फैंस बोले- 'कढ़ाई इनकी भी काली है...'

कृति खरबंदा ने ससुराल में पहली रसोई की रस्म की, जिसकी झलकियां उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं. ऐसे में फैंस की नजर कढ़ाई पर गई, जिसके बाद वे रिएक्ट करने लगे. पुलकित सम्राट से शादी के बाद कृति खरबंदा का ससुराल में ढोल-नगाड़ों के साथ शानदार स्वागत हुआ था. वहीं अब एक्ट्रेस के ससुराल में पहली रसोई की रस्म हुई है. पहली रसोई के लिए कृति ने हलवा बनाया है जिसकी झलकियां उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं. कृति ने स्टोरी पर तीन फोटोज पोस्ट की हैं. पहली फोटो में एक्ट्रेस ने हलवे की झलक दिखाई है. कृति खरबंदा ने एक और फोटो शेयर की है जिसमें वे अपनी दादी सास के साथ पोज देती दिख रही हैं. लाल रंग का सूट पहने और माथे पर सिंदूर लगाए एक्ट्रेस काफी खूबसूरत दिख रही हैं. इस तस्वीर के साथ कृति ने कैप्शन में लिखा- 'अप्रूवर्ड बाई दादी' इसके अलावा एक तीसरी फोटो में एक्ट्रेस हलवे की गार्निशिंग करती दिखाई दे रही हैं.

कढ़ाई पर गई फैंस की नजर

कृति खरबंदा ने हलवे को सजाते हुए जो फोटो शेयर की है उसमें उनका किचन दिखाई दे रहा है. ऐसे में फैंस की नजर चूल्हे पर रखी कढ़ाई पर गई, जिसके बाद वे इसपर रिएक्ट करने लगे. दरअसल कृति की कढ़ाई पर कालिख जमी है. इसे लेकर एक फैन ने कमेंट किया- इनके घरों में भी कढ़ाई काली होती है क्या. एक दूसरे शख्स ने लिखा- कढ़ाई इनकी भी काली है. वहीं एक फैन ने लिखा- कढ़ाई तो गरीबों वाली है. इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स कृकि खरबंदा के किचन पर भी कमेंट कर रहे हैं. एक शख्स ने लिखा- मुझे लगा मेरे ही घर का किचन नॉर्मल दिखता है, लेकिन यहां सेलिब्रिटीज का भी ऐसा लग रहा है. एक दूसरे यूजर ने लिखा- अमीरों की रसोई भी ऐसी होती है जैसे नॉर्मल लोगों की, वाह. कृति खरबंदा ने अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड और एक्टर पुलकित सम्राट से शादी की. दोनों एक इंटीमेट सेरमेनी में पंजाबी रीति-रिवाजों से शादी के बंधन में बंधे. इस दौरान शादी में सिर्फ परिवार, करीबी रिश्तेदार और करीबी दोस्तों ने शिरकत की. कृति-पुलकित की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं।

अनियंत्रित हुई बाइक झाड़ियों में घुसी, मौत

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र में अनियंत्रित हुई एक बाइक सड़क किनारे झाड़ियों में जाकर घुस गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक को गंभीर चोट आई थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक नितिन मंडल पुत्र नंदलाल मंडल (24) मूलतः बिहार का रहने वाला था। फिलहाल वह अमरावद खुर्द स्थित एक वेयर हाउस में काम करता था। नितिन अपने साथी मिथुन के साथ सामान लाने के लिए बाजार गया था। वापस लौटते समय कजलीखेड़ा गोल गांव के पास अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ियों में जाकर घुस गई, जिससे दोनों को चोट आई थी। गंभीर रूप से घायल नितिन को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसे मृत घोषित कर दिया।

गाय के कमरे में ड्राइवर ने लगाई फांसी

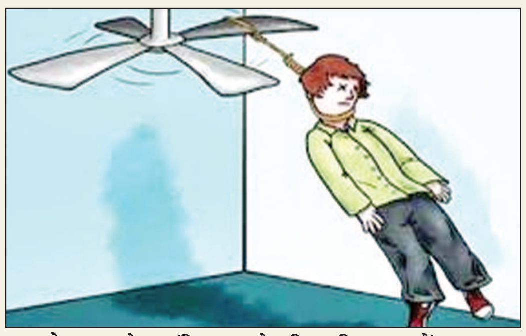

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शिव नगर में एक ड्राइवर ने गाय के कमरे में फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि वह शराब पीने का आदी था। पुलिस के अनुसार राकेश चंदेल पिता फूल सिंह चंदेल (42) शिवनगर छोला मंदिर में रहता था और वह ड्राइवर था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बच्चे हैं। पड़ोस में बड़े भाई का परिवार भी रहता है। परिजन ने बताया कि सोमवार रात राकेश शराब के नशे में घर पहुंचा था। उसने खाना खाया और सभी लोग सो गए। मंगलवार सुबह नींद खुली तो राकेश शव गाय के कमरे में रस्सी के सहारे पाइप पर लटका हुआ मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि परिजन भी प्राथमिक पूछताछ में ऐसी कोई बात नहीं बता सके हैं जिस की आत्महत्या का कारण स्पष्ट हो सके।

रियल स्टेट कारोबारी ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। कटारा हिल्स इलाके में रहने वाले एक रियल स्टेट कारोबारी ने बीती रात घर में फांसी लगा ली। पुलिस के साथ मिलकर परिजन उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन पत्नी ने पुलिस को बताया कि घटना से पहले किसी दोस्त की मौत होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद अचानक युवक रोने लगा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक संजय प्रजापति (29) गौरीशंकर आवासीय परिसर कटारा हिल्स में रहता था और रियल स्टेट का कारोबार करता था। परिवार में पत्नी सीमा के अलावा एक छोटा बेटा है। रात करीब साढ़े आठ बजे संजय टीवी पर मैच देख रहा था। इसी दौरान उसके मोबाइल पर किसी का फोन आया, जिसके बाद वह रोने लगा। पत्नी ने रोने का कारण पूछा तो बताया कि उसके दोस्त कृष्णा का निधन हो गया है। घटना से पहले मिली थी दोस्त के मौत की सूचना इस पर पत्नी बोली कि बच्चे के सामने रोना ठीक नहीं लगता है।

नशीला पानी पीते ही बुजुर्ग महिला के 6 लाख के जेवरात चोरी

जीटी एक्सप्रेस में हुई वारदात की डायरी आने के बाद जीआरपी ने दर्ज किया केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जीटी एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर कर रही एक बुजुर्ग महिला के पानी में अज्ञात बदमाश ने नशीला पदार्थ मिला दिया। पानी पीते ही महिला को नींद आ गई, जिसके बाद बदमाश करीब पौने 6 लाख रुपए के जेवरात चोरी कर भाग निकला। यह घटना करीब चार महीने पहले की बताई गई है।

डायरी आने के बाद भोपाल जीआरपी ने असल कायमी करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मिना वशिंगट (73) चंद्रपुर की रहने वाली हैं। करीब चार महीने पहले दिसंबर 2024 में वह जीटी एक्सप्रेस के एसी कोच में नई दिल्ली से चंद्रपुर की यात्रा कर रही थी। यह ट्रेन करीब चार बजे नई दिल्ली से रवाना हुई थी। शाम करीब सात बजे एक अज्ञात व्यक्ति कोच में आकर उनकी सीट के पास जाकर बैठ गया। कुछ देर बाद महिला वॉशरूम के लिए चली गई। वापस आने के बाद उन्होंने अपनी बोतल से पानी पीया और सीट पर बैठ गई। पानी पीते ही उन्हें नींद आने लगी। उसके बाद उन्हें कुछ भी याद नहीं रहा। अगले दिन तड़के करीब चार बजे जब नींद खुली तो भोपाल स्टेशन आने वाला था। इसी बीच जब उन्होंने अपने शरीर पर हाथ घुमाया तो पता चला कि गले में पहनी 5 तोला वजनी सोने की पैंडल वाली चैन, सोने के तीन तोला वजनी एक जोड़ी कंगन, चार तोला वजनी सोने की एक अंगूठी और बैग में रखे करीब 7 हजार रुपए नकदी समेत कुल 5 लाख 80 हजार का सामान गायब था। नागपुर स्टेशन पर मिले डॉक्टर बुजुर्ग महिला ने इसकी जानकारी किसी तरह अपने दामाद को दी, जिसके बाद नागपुर स्टेशन पर रेलवे के डॉक्टर ने महिला का चेकअप किया। उसके बाद महिला उसी ट्रेन में चंद्रपुर स्टेशन पहुंची, जहां परिजनों ने ट्रेन से उतारने के बाद उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। तबीयत में सुधार होने के बाद महिला ने बल्लारशाह पहुंचकर मामले की शिकायत की, जहां शून्य पर अपराध दर्ज किया गया था। डायरी भोपाल आने के बाद जीआरपी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

विदेश में नौकरी दिलवाने वालों से रहें सावधान राज्य सायबर सेल ने जारी की एडवाइजरी

भोपाल। दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में आकर्षक नौकरियों के नाम पर भारतीय प्रवासी अब एक नए तरह के जाल में फंस रहे हैं, जहां भारतीयों को उच्च वेतन वाली नौकरियों का भ्रामक वादा करके साइबर गुलामी करवाई जा रही है। साइबर गुलामी शोषण का एक आधुनिक रूप है, जिसमें व्यक्तियों को अवैध रूप से बंधक बनाकर साइबर धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर किया जाता है। राज्य सायबर सेल ने इस तरह के जालसाजों से बचने के लिए एडवायजरी जारी की है। जानकारी के अनुसार विदेश में नौकरी और अधिक रुपये कमाने की चाहत रखने वाले युवाओं पर इंटरनेशनल साइबर फ्रॉड माफिया की नजर है। युवाओं के बायोडाटा जॉब साइट्स और सोशल मीडिया पर अपलोड करते ही साइबर फ्रॉड माफिया उन्हें साइबर स्लेव (गुलाम) बनाने के लिए उनकी स्क्रीनिंग में जुट जाते हैं। चिन्हित युवाओं से वॉट्सऐप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया के जरिए संपर्क कर, उन्हें सुनहरे सपने दिखाकर नौकरी के नाम पर थाईलैंड, म्यानमार और आसपास के देशों में बुलाया जाता है।

सोते हुए वेंडर का मोबाइल ले उड़े बदमाश

भोपाल। राजधानी के सेमरा में रहने वाला मुकेश कुमार सेन (48) संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर वेंडर का काम करता है। रात के समय वह ड्यूटी पर था और मोबाइल चला रहा था। इस दौरान उसे नींद आ गई। तड़के करीब चार बजे नींद खुली तो उसका मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 14 हजार रुपए बताई गई है। इसी प्रकार हरियाणा के सिरसा में रहने वाला सुनील सिंह (45) मालवा एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से सीहोर की यात्रा कर रहा था। प्लेटफार्म क्रमांक 2 पर ट्रेन में चढने के दौरान किसी ने उसकी जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 12 हजार रुपए बताई गई है। इधर सोमनाथ एक्सप्रेस में भोपाल से सोहागपुर की यात्रा कर रहे शैलेंद्र का औबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन के पास मोबाइल चोरी हो गया। चोरी गए मोबाइल की कीमत साढ़े आठ हजार रुपए बताई गई है। इसी प्रकार गोरखपुर एक्सप्रेस में लखनऊ से इटारसी की यात्रा कर रहे रवि वर्मा के जेब में रखा 12 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो गया।

युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा कारणों का खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। मृतका की नाक से खून भी निकला था। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। जानकारी के अनुसार मंशा बारंगे उर्फ मोहिनी (23) इंडस टाउन मिसरोद में अकेले रहती थी और टीचर्स की मास्टर डिग्री कर रही थी। उसके पिता प्रकाश नारायण बारंगे सारणी पावर हाउस में नौकरी करते थे जो रिटायर होने के बाद बैतूल स्थित अपने पैतृक गांव में शिफ्ट हो चुके हैं।

भोपाल स्थित मकान पर मंशा के अलावा पढ़ाई करने वाली कुछ लड़कियां भी किराए से रहती हैं। सोमवार की रात करीब ग्यारह बजे तक मंशा की अपने परिजनों से बात हुई थी। मंगलवार को उसे बैतूल जाना था, लेकिन सुबह वह कमरे से बाहर नहीं आई।

पास में रहने वाली युवती उसे देखने पहुंची। उसने खिड़की से अंदर झांका तो मंशा पलंग पर औंधे मुंह पड़ी दिखी। परिजनों से बात करने पर उन्होंने खिड़की जाली तोड़कर सिटकनी खोलने का बोला। आसपास के लोगों ने सिटकनी खोली तो मंशा का शव बरामद हुआ। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पलंग पर रखी मिली दवाइयां पुलिस ने बताया कि कुछ समय पहले मंशा को पीलिया हुआ था।

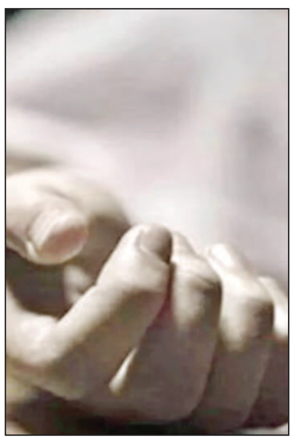

उसके बाद उसे कफ की बीमारी हुई और आंखों में दर्द होने लगा था, जिसका इलाज करवाया जा रहा था। सुबह जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पलंग पर उसकी दवाइयां रखी मिली और नाक से खून निकला हुआ था। अनुमान है कि दवाइयों के कारण उसे सांस लेने में तकलीफ हुई होगी, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो पाएगा।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। सूखी सेवनिया में रहने वाली एक नवविवाहिता ने घर में फांसी लगा ली। परिजन उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक तौर पर मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन के बयान के बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा हो पाएगा। जानकारी के अनुसार आरती शिवहरे (24) मूलतः करोंद निशातपुरा की रहने वाली थी। पिछले साल नवंबर 2024 में उसकी शादी कुरावर निवासी रवि शिवहरे के साथ हुई थी। फिलहाल दोनों सूखी सेवनिया में रहते थे। आरती बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई करने के साथ ही एक निजी अस्पताल में काम करती थी, जबकि उसका पति रवि फोटो स्टूडियो चलाता है। सोमवार की शाम को रवि अपने स्टूडियो पर था, जबकि आरती घर पर थी। रात करीब आठ बजे आरती ने घर में फांसी लगा ली।

ट्रेन की चपेट में आए युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखी सेवनिया इलाके में ट्रेन की चपेट में आए एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वह घर से मोबाइल लेकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार तरुण कुमार जैन (26) शिवनगर कालोनी छोला मंदिर का रहने वाला था। कल सुबह वह अपना मोबाइल लेकर पैदल ही घर से निकला था। दोपहर करीब बारह बजे मां ने फोन किया तो कुछ देर में लौटने की बात कही थी। दोपहर करीब ढाई बजे वह सूखी सेवनिया में ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक के पास मिले मोबाइल से उसकी पहचान की जा सकी। वह सूखी सेवनिया तक कैसे पहुंचा था, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने बताया कि फिलहाल मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है।

मेट्रो एंकर दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए दक्षता निर्माण कार्यक्रम

भारतीय दृष्टि से ही विषयों का अध्ययन करना चाहिए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद के सहयोग से दो सप्ताह के युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए दक्षता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दो सप्ताह चलने वाले इस कार्यक्रम में देश भर से 33 फैकल्टी प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।कार्यक्रम के शुभारम्भ सत्र को सम्बोधित करते हुए संस्कृति अध्येता पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी ने कहा कि भारत में वाचिक परंपरा में सभ्यता विकसित हुई है, हमारे यहां कृषि, हस्तशिल्प लोकनृत्य जैसे विषयों के शास्त्र नहीं हैं, उन्हें वाचिक परंपरा में ही विकसित किया गया है। भारत स्मृति पर भरोसा करता है। हमारा स्मृति वांग्मय समृद्ध रहा है। आयुर्वेद की पहली संहिता में उल्लेख है कि हमारे ऋषियों ने वृक्षों से बात करके उनके गुण-धर्म को जाना और औषधि के

रूप में उनका उपयोग किया। उन्होने कहा कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होना चाहिए। भारतीय दृष्टि से ही विषयों का अध्ययन करना चाहिए।

यूरोप केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को हमें भारत केंद्रित बनाना है:अशोक कुमार पाण्डेय

संस्थान के अध्यक्ष अशोक कुमार पाण्डेय ने शिक्षा के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि यूरोप केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को हमें भारत केंद्रित बनाना है। करियर के साथ कैरेक्टर पर भी फोकस होना चाहिए। संस्थान के निदेशक डॉ मुकेश कुमार मिश्रा ने कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम की पृष्ठभूमि और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। अर्थशास्त्री प्रो. वीके मल्होत्रा ने सोशल साइंस रिसर्च के विभिन्न आयामों को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि भारत में आज रिसर्च को बढ़ाने की आवश्यकता है।

यज्ञ अनुष्ठान, भारतीय ज्ञान परम्परा का महत्वपूर्ण अंग

भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में यज्ञ अनुष्ठान के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध, परीक्षण एवं प्रयोगात्मक अध्ययन कार्यों के विस्तृत प्रतिवेदन का उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में अवलोकन किया। इस अवसर पर मंत्री परमार ने कहा कि यज्ञ अनुष्ठान, भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण अंग है। मंत्री ने किया शोध, परीक्षण एवं प्रयोगात्मक अध्ययन कार्यों के विस्तृत प्रतिवेदन का अवलोकन यज्ञ अनुष्ठान के शोध एवं अध्ययन का यह निष्कर्ष, वैश्विक मानस पटल पर भारतीय पुरातन ज्ञान के प्रति मानसिक अवधारणा को प्रभावित करेगा और भारतीय समाज में प्रचलित परम्परा के रूप में निहित ज्ञान में विद्यमान वैज्ञानिक दृष्टिकोण को वैश्विक मंच पर अभिव्यक्त करेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022